गश्नीनी की कामन प्रभाधना द्रा र्गा।१२

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

शिव्की °

श्रीमिना वा प्रमान्न ने ने ने ने ने ने ने वा ने वा ने पा र्नित्वताश्रीसाबयुजार्बिशाआस्मान्यु उद्वता भा ब्रालणक्षेत्रीवेस्पश्रद्वली। ब्रल्याश्यर्सा अमवान प्र स्तमाणा वतीबा ज वध्यतर्ण। वेरी सीवकी तैनकरावे। शीवकीतेननाव डे आणुमाना ता असं नाहु नि आती आप यीन। तालेश्ला आवं कार। तेले प्रतश्रंगारीले। यानेण मधीले ने आना ने सप्यमधीनी येथ र तणा मयो राओ

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

जीनयन।तिसयं ने नत्यायायायामा की कि छ। इवत काणा हमसास्वावतहस्तचरण। त्यानी जननी वर्ध मीण। वि नाजनेवास जाहा छ।। धारीविभ जना वीर ही तजाण। तो जा वीसमुद्रातब्रोन। आथवावर्यान्य आग्ना साप्री कातयामा जी। पातरी अव की धराबी आव डी। जेसी वी पतीकारा कासी नसो जी। भा धतर परी नकारी। मुख तेथा जिसवेशा धाकी युक्त छा बहुत शेवस सुता ते व्हु अ

श्चाबन्ही • १३८१

:यराशि त्रीतिवंता त्याची अभवाति असता आ समाता धान्तीमातानीताजेसी।। आजान्ताहु ने आवडे। त्याजी छीलागरीकणिसीगाउ। तेसक्याभवजीप्रेकोउ। सव टाकाणीधावश्रवणासी। । गा गास गेली यात्राणना था। त्रीयाव ती व ता वा ह पा ता ता व म आ छ आ ब स्मा तामगधाविश्वणक्ररावया। अनिधनासीसाप्रधन की जन्माधा सिआले न यना की त्रषेण जा नामाण । जीव

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

नसीतळमी बाह्या भाने से रें भावया कथा पुराणा धाव सर्वकार्यराक्तना । वता निहाद्र कत्त जा। अवजी साद रबेसाव।।भानका पंडीत न्यात् र्यावाणी। न माबाहा ल आर्रा) यस्य भी जास्त नातु नी आवधारा। सुरती ने रासिधारसथारा) तेवीवकावरता शीवचेरी भाषाव णदारेषाना नकी ने।। ग्राम का श्रमाना वा आतं न। न

ज्याबन्डी ?

13/1

यसावयस्वादयारका उमतानसति च सूनर्दि घडान त्रिता। नसीणवावसर्वधी ११ धानद्र वेतरी पुसावे आदेशासी ग त्उतेश्वराक्राव्सादराउगेवीखेळीती नेपामरे।तरी ने पी शा अप रा नी मा ती ११ व किया सी खे की ता आव्या रा। पन-मिहाय खनभोद्गेरा।। पुराणी-मावेग के नम स्कारा।नक्राव्सभत की णासी।१६।मध्यविशकी याश्रवणाउगाचीगर्नेनायउगनात्रीतोआत्माय्यी।

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

राय जा जा संसारी आप दाब इ भो मी। १) कू ही ब ख आ जी भुती तो मु स्मक्षी ता न करा वा नथा थी हु ३ ४ पी ता सविगीष्ट रोतावरी नय उचरी ता वी वा वतते।। वाते से अविनीवेसान। दूतर्नेचे करी सथा खंडन। ताने व्यथने टोअन्गानक्रिमीका रणपुरेकेटो। प्राम्धेतनबीटा वर्तरामनकरावे पका गामिय ची प्रव धती साचार न पावती बेसता शार्गम स्म आं क का र इश्री णा सहीता। 1811

1219601

वकाषुजावा दीतीन असंताधनर ता की रावद्ता भ रछआपुछ निर्धारायार लेहताबहुता ने महाशिष का रावंत।।आछकारे मही छा अत्यंत। श्रोही याची वा वारे बहा। २२। १ववसायुकी ताको। उक्ताप-यारा नेग तुष्मानरायउमावर। जे जे परार्थ आपि वेसा-पार्। ट्याचेकारी गुणे त्रास्त्य या द्राया सी सरापी ना ही र्शे द्र) रावरी सीवपदाने ईल भाक चेद्र। कथ सीय तावाउ

छ ठाकी जिथारा पापसं कार परोपरी। तथाम सकी उ ध्यींसाचारते वेसती। तरीय जामवळ या तिती। लणा छउन्मीस कारी ता नयस में प्रति। तरी मुख्य पर काटा र नार्याने वी अचे वी अने हैं कती। त्या स्वमकी कर ता वी नी। त्याचिनीसात्मानम् न भश्योती मुनन्यासम् त्रमानिहास्य वस्त्री उने व अवनी। विहासा आ वीबहुतामकारकत्की।) व्यात्री सङ्ग्रहने भी यावेषा की।।

6

श्वन्त्री ॰

411

निहायबानीसर्वे छक्षेत्रीय अवशिकाचे अर्थनीयन । साम्यक्रिकेचीय अप्रविद्य स्वत्राकी।। तथिश्व न मागर जी।। वशनी दानयत्रा जी या। २०१न द्रारा देश रास्णी मा तराउभडाकावकर को उना विद्रानयताउ पायक्रणा मुख्यश्रवणक्राव। १९वन्मा हु नि उ चआसनीतत्वता। नहीसावधरा निया ग्यता हिनमा नितातवता। यमपुरी स जाय भोजी ती। ३० तेब सती दी

11411

रासन्दुन।तिरोती वर्भआर्जन।।पायप सिरिती सासस्य नंदना भ्र का का हे सा है। ब के। अग्रेसंग ना ही न अ मती। बं अभी गरा वास्त्र नी बेस ती। त्या सी वमहत पा सी वाधी ती।निउनीराकीतीनकेक्प्री।विभाजीश्वणीनीजेराइने॥ तोउपने आजगरराउन॥बेसन स्कारके ही यां वी णावं म परस्तातीता। ३ अस्थत बाद्य ती नसत्या न में का तो में उ का रायसदावरवंशाता राष्ट्राकी न पीरी।।तारायक श्री संसारीगाउधा CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

(र्गवंका)

Egl

जिजीवकी तेन विश्वी है असी ती। तेयन निमसारमय हो नी। द्रोतरबाछतानिश्रीती। तेजन्मायती सर्गान्या अप अनकीनत्तिसादरातिनाम्हानी अन्य राउछेरीती शी वयशमात्वसरातीधारवनी। उध्यक्तियासर्ती अग सनाशीवासनीधवेसे नाउना व स्त्रवोपीता देवा आन्त्र त्रायहायतयात्राञ्जाकरीताकथापुराणश्रवणाभन्ती वेराम्ययअंती पुणी यरथीओ के संमनाणा नेण आनु

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

nem

तावउपने मना। अवार श्रीम के उजाम येक आमंग छ।। नामतयाचे मुकी च बा ष्मुळा सर्व धर्म व ब झित लोक सक्यास्त्रीषु तप्रयारकमी। ३९। धर्मना ही य अनुमाम। आना-पारीपरम आपनी ना अपनपनी ब जीत वी नावे हरारअके चेत्र था। ए गावेर आ जी या राज उभय है। ना ते के वयअंधनीआशाना। आसातनगराचेन्हा संप्त्रणीस वं व, रहरा जी आप वी ना। धाविर आ जी गारकाहि वित्रा

N.

1001

रश्यवंत्रा

चेउभयने भायम ना ही तही सा चाराय का शतया बो हो। जा ध्यानस्कर आ जी ना हा उत्पार। मध्यवी मार्ग प्रहुरा च्यारामात्पात्रहो सरणारा द्वसर्धमं भी व सी त जे। ए अति गा वी चा यक्ष वी क्रा ना म तया चे वि इ रावे शार्त आहारामा काम कर मी का जता ए धर्यी त्या वि बर्जानामा।तेशि सारीनी आपवी अपर मानिय का जा रासीआसतासकामा। भ्रतारे ज पुनधरी यन्त्रे।। एप्रया

रवजालास लगारसभा तारेरी धलामा गायेथे र लुता मुक्षेत्रहराभिवीताकायवरेपाध्यालिकोतुजातासी ज्यारा मीहीतेची बरीते निरंतरा मगबो छतसे विहरा त्वार्य आपारमे व बीले भिष्णाने द यह ईम ज का छन्।। मीरेरीन वारां ग ने सीने उनातिसाने मीरे उका उना है क तामारीषु इती तो ॥ ४ वाम गती चे आ वं का र ही रो वि चेता। घर-रीसंपत्ती सर्वचे उनि जाता वारंग ने सिने उनी देत ॥



निही आधीत उपा राते॥ ४ शुओ से दो चेही पा पव ते ना विद्रवि प्रवाबन्त्रम् सायमद्तने नी मारीता बहुत नी चीती तयाते। ५०। कुमवाकाशपरमदुः खाभोगानियाता शतम् खामगनी ध्याच की हरी तहे रच। भवा न स दी गा-य माहाता। ५१। आ जेनी जे आं मास देता ही उध्य धात्र गानी शतारक ब ले आ गत्याचसमस्ताने सासर्रेचचीले। भ्यावशास्येतां का अगासवेची तदिवकीरेवन। रक्त दीती भरन। सबीगत्या

19)

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

11511

चनासकापुत्रादं दस्य ण परमह्ध्या नमी व कं र मुख फठआरार। आपुटमाना नाचे भोग समग्र। भोगी बीर् र ऐसाता। ५ धार्य इव इ जावर रहीत। यक हाता ती सस् ताताकाणावाकानिज्ञानाससानासिसमरणतीयते।पुष् ता आलेसीबरा भी पर्वा गो म जिया नेस नन या छी हो सवी ना ना वाधवा जवी ती अभी ना वाध्य जपता भाषीर वती। ५६। सीव नामगर्जिती सीव दास। वारं वार करीती।

*ज्याव*ली ? नामचाषातिथे के च उरेल पायल गासर्गा सर्वराजि सी व जनापुग सबेचेउनिआयुका सुता तान्यासंगेब हुका निघता मे कर्णश्नमद्खीलपुष्पर्वता जालपुनीतसर्वजेन। ५८। बह्छनेशानकरणा चेत्छमाराबछ भराचरर्गना पुराणअवजीवेस्कीय उनाति निरोपण निघाले। ५९। जेबनीताजारीनी।।तीसयमङ्तनेतीधर्तिनी। परीपत्य बर्गासम्यारामातीराशिती।।ध्यानेसंबर्बे निजे

911

काना भयाभी तजा जीते शकी। आनुताप ओं गीभरती। र डोलाग ही आरात्स्या छ। मगपुरा जीका सीसमस्ता। आयुर्मांगेयतांता। जाले जेपापाचेपर्वता। ते नि ज मुखे उचारागध्याञातकाजीयमकीकर्माताउनकरीतीलमन आपार। तेवेकीकाणमजसो डीवनारा दुः खआपारसो सुकी ती। हजास्वामी मा सका पती रा री रा का यकत जाता संगिरी न्यारा गन्मापा चा छा नयमकी करा करिती मार



11001

नत्प त्रास्याद्धाना नाप री बी है बिती। आ सी पत्रावरी री उ वीती। उपरारेबाधानराकीती। नर्के के शिजधान्याहम ताब्रम्मीवरीहीउउना मजलाळवीतीलन उना तीक्षण गरत्रआणुन। तस्यारमारकरीती। हदातीक्षण ध्रयक र ना बरी रासी ती मजने उना सुमी मा जी रो उना तंत्परा स्त्रमारक्रीतीमजा ६ जातस्य द्यावरी चाठीती। पार्त्र चंउसी जा वाधी सी। मारान की बुउ की सी। सो उ की ल की पा

मजतेथ्रिनाध्वाबर्कासमाउनकाम्आना।हुः खर्डे रानंशना मीकाणास आउ शरणा। अअय पर सम्बणामा। गरशका नकीप इन जा उमामग सामासामान परिचर ण।सद्गत्त्रमीआनम्य रारण। तारीम जयथुनि। ७०।। शीववन्पाक्षर मंभा सांगब्द के प्रतीस त्रामगसीव की कामतस्र समारा अवण कर शिक्ष हिरे।। जामगती, नेसर्वयं या युर्म् खे अकी ला त्रमयुक्ता अव ण भक्ता आव

A LA

चावन्छ। व साता।अक्षेक्षेत्राजी जाए भावहुका जा कीपरमप्यीया। 2711 सीवनामनप्रभाहाराम।रिष्नउरेतीलमामाध्यीमु तसर्वाण्यात्याना जायबुरसा। मगसर जनी होयेआ रसा। की ता की हो का बी ता परे गा। न्या मी कर सह ज बी। ए। जानीतकीरेकार पउलाति आजी सहज्वी जाले। गंगेसी मीयताबोहक्यागंगाजयसहज्यी। ७५। जेपक शतापा प ज ने सी: दोषा की ज्ञानारु नी ध्यान बी राषा। अवणा हु

MA!

नमनन निराषा सते ततासर जनी। एए मनना दुनिनी ज ध्यासात्वार् नीसाश्तास्त्रार्विरोषामगतोशीयसप्जा का निहें वा संग्यका यया जी रेगाण वह जा निहों पहों उना करी मानी सर्वपावना। जीन्हा कर साग की जीवकी तेन।कै नवंधन तीयसी॥० वाश्वन वोथोरपायन ताता अवणयाची जिस्सान स्वीयो र न अमब्द्ता अ वेण-वीसाध कर्रा वा एश्रुपासी न मी क संसमागम श्र 19211

in

will a

वणातेनिकरावित्राथीरणानलगेआकागसाधना करा विश्वनण अत्यादेशाटगयागयागवपसाधना नलगका करावेश्वणानववीधमकीसयुर्णाश्वरोकरणहा तायेती। ८१। चारि वर्णेचारी आश्रमाश्रवणे पावन परमाञ्चेसाब्ह्छसीसत्समागमा सबाह् निथीरबारे ६२ उरनीरोपाआखंउ करी। त्यावरी राही छी जो करा स्त्री आखंड जया ब स्मलधारी। भीधं त जी भान परीत सी ८३।।

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

11921

संयोगीभस्मखपना। करीर द्राध्यधारणा। सर्व आसती उना उर स्थरा करी तसा। ८ ४। एन समी क छोडी मा चेर्राना जासणी सार श्रेम सं पुणो। तथी ना मही मा वरमवाबना जी ती वाध्या ६ व जी जा हुना स्वयाती स्व कीतीप्रकावधना बह्वनेपरमदेह ना कुना पकानिर केलेकी वाचेन। तेची भस्म आंगी लावी छे। द्रांत्रकन वीमानधाइन तेयेकी।|बहुजासीयपराप्रतीआकीकी। भाव-ती १३१

यस्री पापी न उद्दरी ही। य तुर्शा के स न ब स स्रीती एण सराजी वाष्ट्र जाउना बहु जने के छे पे स्तवना आंबे पी स्त्री सरी ता वा वना असं न जा छ। पा वे री। वा स्व वे इसीनमाग खरीता यरी स्रोण पती पर राजाधोगनीता। कारे आह्न क के निभी ता पावन कर जा जा जी येथा देश मगतत्री जग जानिशा आंतरी पारे दी न्या र जी गती थी। ध्याच की पी शास्त्र हो उनि। रउत्हों उपापी सा ९ गमग

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

बहु छस सिवाभवा नी। नायस व तं बरासी चे उनी।। पती आ जी विध्या द्रीपर्वता हुनी। अयण यह से नी रीव कथा। १ गानगते आ की विध्यान्य जा। तापी गाम्यनगन रेखीला।धरानिस्कीबांधीला।तंबरेबवे आक्षेति॥३ मगवरक्रतीकारनाश्विश्वरमेळउनाआरंभीते शीवकीतना। असता पश्च पशी उद्दरती। १ आशीवकी तेनरसराज। त्वरमामादेतासतेज। सावधनाताती

विवकी • १९४१

विद्रदीना लिंग सो उपन आता। ९ धामगसो उता वि धाबानाधरीतं वराचेचरणा लिंगसामीधन्यथमा बेहे नावन पापी याते। ६ पारकी यस स्म का साचार। केटा सीआजी मानाउदार। मगतुंबरे ची व पं-पाक्षर। मंत्र थ्यासी उपरेकी छा। ९६। स्वाना द री ता विजेव। तो बीमा नआछेते नरपा विद्रना खारी यस्परपारकी सहीते वी मा-शिवेसला। ९७। आजी कासी वापा सीमी खता हो चे

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

AR

शिचरणासी छागत्।। छवण ज छ। वीरत। तेसी मी जा ली शीवरवी। ९वान की बीरा तमा न क गारा। न भी नांद्वीरे सखरा। तेसी बड़ का भागी बी हुरा। श्री बर प नाहा की। हु। ज्ञाती मी बाटी म परी। गंगासमाव की सागरी। ब्रह्माने दस्यर्गिनिर्धारी।विराठीरेन्य होउनिया।००। सीव मिन सी वस्या अवण। सी वहा सार द्राश्नधारण। स द्राश्नभसमे उद्देशना गे छे की ती सं ख्याना ही। शाभसमा तुनी

त्री**न**्ठी०

निपाना भसास्तर। शीव द्रोही पर मपा माने सो बेसा बेता त्याचाउड्दारा तेच्री मसागके साम्हे नीव पुराणीक था सुरसा भी ते जो भाव साय भारा। के लासी आसता महेरा। प्रदेषका की यकद्र।। श्रामसाकरी घेउना। आंगा सचे वी उमार मणा यक खडा का ग का नो शी वे जा णा भुं मीवरीरे की छा। । नबल की वाचे चरी मा तेथे बी उलक जानाभास्यानामटेवीले भसास्यास्य तासदाना राभिन

र प्रदेउ मा।प्रस्निना च प्रभाव ना सर्मिना। म ज का री संगानी राया। शेषुल ने स्यय धवा। विता भस्म अ। जा निर्शिद्यन्त न जा जी भस्म। हे ची से बा करी उतमा असी आ हा हो ता परमा भ समा सुर सं तो घला। जा कर्मस्मिसिनिसयउना। वसंद्रा शोधीतसं द्राजी जी सीनभा निग पणा तीं गार्चन परे सासी। दासीन रामसोमयार प्रदाष। सरा है के शीय की तैन सर सा । त्या



चे भस्म भवा निसाआं नी का शिक्षी ती ने।। दा निका आभे हम १६११ क्रिम्य। सान्यामुं शिक्षशमाय। स्मना निवेरा ग्यवार 31 प्रबरा सिना विद्याव राहे तेथा १९ गर्ने सुसा सानी ह जियरायती। वेराज्य जाय विष्डु जडे की ती। सिना नी उमावसुमेवसी। हिनी की की सिमानि। ११ में यम् तत वासराताविछ ब्रह्माउ जाका निसमस्ता सर्व भिरसो नी नेउर ता। आतीपनी समस्मते ची। १ यति ची ब्रह्मा

रोवट्डी

119 5/1

नंदस्यस्य अगतिनी मस्मचनी द्या गाना आजीत मुनिनिमें जाष्ड बीकार रहीत विदे ही। १३। भाग स्तिते ज्यायतेवधिते विवश्नमत्। आवश्निविधन राद्यीमा रसमस्ता शीवपरबंस साभ्वताकी भीकाररशितानर र कारा।१ धानो राउ छ छा अश्वयं सं प ना। परा श्वीती विज्ञाना औरायवेराग्य सं हर्जा। ओसा का ना रा नारा नारा आजी गाउनि ने गीताते अभासतान पे शता करित



शिवन्छी ?

नियत्व भागत्व। विभुव आ जीसाश्यसर्व स्पी १५। या भा कि मे शत शहा तो हर ब झ छा नं ह प सी द्वा भाषा यमनायम अद्यानी वीध मेर रही ते ने १ १ मन्द्र रही णाथसग्रणाशिमुझान्डाचेत-ययना।तेलेभस्मासु र अनुगाधा शेला मस्त्र मा वा न्या ग्वा दे से अत्य आणी नी ता भस्म। आस्र मा न का महे पर मा गोनी लगरे रेवान उत्माल में संस्तार माय है।१९।हे संस्ता

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

11391

र निसम्बा आसुररात्य करावसव वा आजी निया नित्रमं उनारान्त कम को इन जी का नार गानिस आजीधु में दिशाहे ही संन्हारावे सेव है।। भी भुवण मीनी वियापारी। मीयवेसेनय क उगार्श असीम नीबा धोनगारी।केलासा आलापरतानमपरी।सिन डेयतासीय में दी। पस्म श्र्या न मी व की राह्या पा रछश्यो अनुवाहा निस्यस्ना छश्य श्रीमो शहा था। शो



317092 खिवदी धाकीआवनीआवधीरे। परीमसमध्दनमी वे वी। ते गा 9011 त्ज्ञापिने विसा भस्मातरी यस वर्म सुगम आहे। २४॥ मजहरीयद्मवर। मी उपाचमा था हवी नद्भर। तो भस्म यायानधीराकार्यसायार यनसायानपु लिजान तीरागणचातीता इत्रेमासे चाल भी या निष्मपर। त शीवभाकानाथावरधावयासीइ जा तारधामगबी CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham 11961

छेन गरा तसुमारी।। हा नरुपरमह्रा न्यारी।। याते ब्र द्ताधरनी।।भरमसरीलसवेती।२णमाराशंत्रत वयाची राउसाती पात रा फारग्र नमासाआधी बार पाउपाचोरी सा। निरोप री था रा सुने।। २०। आधी च उपा रक्मीरता वासी श्कीराज्यातरी धले प्रमुलाकी मध की यां सी रा बी ता। भेरी वन सा श्रे के। वर्ग मई रासी मध्य पाना। तातजाले यश्ची महे याना। तात भुतसे चरले दा



क्रवंशिक्ष वर्षे स्वाना वर्षे वरे वर्षे वर

अमुचे छे दरभस्मास्य । यासी धावा आ गत्यवरा तो अन्य अरारा शेन करी करा। हर्या खाव का तु तर्ध दरावरा। असे रे इता वी आस्र ।। उद्या निना चे आनंद थोरा। भी सुबना मा ती नसमा या छ। मृत्य

11981

13/10 7 3

तोकासीआता सवराकरीत-पानीता सक्राय संतयकारीयमाशाधानमसम स्रीतसार्थ म स्तकी हारतर बीता ता का नाभ समहायन उगता व वा। अषीचे म शोधो निस क व। भस्म करी यक्षा ना। अप्रेचननदेशिया थीता चेम्सरीत अभुनसम्स्त भ्यम् यरी तथ्रणा ता। प्रक्रंय रीत्या दी। ता। व कुरं वासरीत्जास्यणाभीरीं परीवेसनीद् नाष्ट्र वी



शिवद्त्रीः थ्याउद्दासं दुर्गा वाहरका का न की रेची। अपाने साते । न पक्षी आ क स्मा त वेता। पक्षी धरो विसंब्हा रीता तेसा अंतरीश्नयउनिवरीता मसकी हासाक स्पर्वेशी उ मारायाध्यरणपं जीतासमरी जीकी नी कता नाप री भस्मास्राष्ट्र बब हाता युकी कारी न य ले भी अह नेसापारंवा अत्वता। तीना हो पेमा हापं अता। ते सिता आसुराष्ट्रणहाता। नचलेत्रत की नाचा ७०

उगस्रकराभियसंन्यासी वासी नक वे हासमा चाराभ सम्बन्धनीहता नो जो जिन्हरामा हा ने ज हो उ जिना । ए ।। सवेचीये म् सका की।। मनी धरी का जेसा आवा का। भी दशासहीत्राचीनायका। भस्मक शब्ये आवसरी। ध्या कमको इवक मका वरा। रो वही भस्म करा वा पंचवग नाउमानी मुब्छा तसंद्राही रोनी घ्या बी बद्धा ची। एउ।। म पाक्र गानपर छे वो सामी का त्या घड्या स्वी आ समासा।

रोबन्डीन सर्विभयवावलेमानसाषुरहुतासरार्णभावाधधा 1165 मगमच्यासहीता। पद्म साम्री गा स्रोगासागता। तो स्र जिश्रीरान्द्रीनामाता त्पासीसाउचताआता। धपुभा क्षत्रनामर्द्रीय जाणा। तिज्ञाहुन अधके ते ६ मना लिका न आधासन नामतयातागुण। असे दियह छाते। ए६। आसीआताआधीशनामगडीके लावेबुर राजागाना णसंगती प्रज्यादी जा। भरमासूरा येस मसारी। एजाम

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

गसमसासरीतनाराय जा। भी गानव की सांगे वर्तमाना। भस्मास्र जा छन।।भस्मकेलसर्वि॥४१७र छ।आ लीसमसारित की या ना ही करील अंगासरा सी गाउसी ही या ता बरा न दी स आ मुते॥ ए शही म वं ती करी जतने॥ रैकीनिहासी नता भा वता यना सिण भस्मा स्तास मरणाजवकी आरुपाजवरी॥१५०।त्स्रीजावेस्वस्था नास त्वरा असे बोलता स्पर्निधराता आक्रमात आ

श्ववडी -

लाआसुराभसाधेबा नतेथवा। ५१।आयुक्तेगा हाणेआ जी लेयथा मी जा ले ते देखी लेस मला आस्र मान हुका वी ता सरग असातधवा। ५२ मा ने ने ने ना छेत येथा। उथा मसमक्रावेपथाथी। यावशिकाधबोटेउ मानाथा भ स्मासुरासीतेथवा। ५३ आरेआधमत् आस्र। केलाए थीयासंब्हार। तुत्र आसीरीध ठावर। परी णाम तुवाबरा केला। ५४। आस्रभोधबोछेतेसमर्। तुसीरारास्र्र

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

मनर्शानाहानरात्रसमस्तकी अवलाहा। हस्त आताची टेबीतेगाप्यामबानी उठान गेठी सद्नाता।आस्र जीवा तुकावीताशीवमाधारेबोनीतस्तातुजनेरेनश्नणधीपधा जीवमस्तकी डेबावया कराविकी धावी ने की आस्राद विषयाम् वीश्वरापको छा ग छेद्रारी गा। ५ ५। माम क्रभवमंत्रन उमारंगामायाना चरी आती सवेगा प्र ता जाला निः संगाचा राद्र बन चत्ते लाप्या पा शलागला



रोव्की

2311

भस्मास्राह्म नाउभा मागसाधरीधीरा आतीकरीनत सासेक्तरगरशान्डा बीन आंगासी॥५१।विद्रारियानके पारा मायाचक्रवाछक्ञा जी चरा सासपामरभसास राधरीन सणे आंगब ने। १६०। नो ब्रह्मारी रेबा ने ध्याना नी सनकारीकाचेदवताचेन। सास मस्मास् स्ञापणाध शिणस्न न प्रमाथी हु। त्यास बारे धरीन आता। शिसे न व्या आरोपीलात तता। परीकी शव संघेधावता। नजा ग

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

112311

तातासवेश्वराध्येष का पुरेश हवो ता राही नात्रे उमा काता। तर्क कुत के बहुत करी तारा का का जीता ना यो पार वि 上上 वेदशास्त्राचातर्भवाचेशाधीकीताचा स्वज्ञ जालेलाता श्च रे। सम्जनीधा पाठा तायम सरे। मर्ना तम्ना गो पे। ६४। मोत्रमञभक्त युद्धभावी द्यात्वाची कता केता सनावे F काउमेसहीतत्याचे घरी देखा। वास करी सर्वेशा ६५।तप् व्यविधारा अधनात्या सब वेध र स्वणती मुर्चवणा =



ग्रेवकी ॰

करीतागणतीनहायाहधाअसाआहां कारे भस्मासुराधा वतानारापर्शकरारिकडेभवानीनेईश्रावरा बंधुआषु लास्तवीयकातेब्ह्याहजस्मने कम जो इव अनका कम ज नयना। ममजनाभा समज हो चना। समजनायना स मजरायना। समञ्धारमा समञ्जितमञ्जित्या ६८ जगहेंधा जगस्मापका। जनमस्यामरणमायका। जनारेन जनरश का। नगरोधारा जबर्रायना। ६९। असे ऐक ताचीमाधव

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

11581

मोहोनीस्पधरानि अभीन्तवा। रीविमनरेजनके रावा। अ उवाआकाआस्रासी॥१००। सीव न्यज्ञाधवश्रकाउनीदेखा। द्रोजिपाहाता जाता की तुका नी ज भस्मा सुर पाहा ना देखा। भ् का निशे का मो हो निता ७ ॥ शिया नी पाराती सम्बद्ध द्मिणेहकेचसरप आभी नव। आस्नायकाचेबेभवा च रणाउकीन न के निगण्या न सब्दिश ता माहो उने। आस्रत न यहेखाना लिणे छ छ ने तु ज ब र नि। क म का आप नि बा CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

शेवकी

उत्रद्यता नी वदना भो वा जुनी ग का वे पं नी पाणा तु वानयन इराध्ते करणा मनम् गमाझ वेधी ले १७ धातु से परकम्बत्रथे उमर है। सुबास प्रावया व संतरहो छ। तु यापसरानिश्जार माठे। चीतमन आद्धी हो। ७५म जमाजवाडी सल्या तुरेरा रालकरान नीरंतरा मापा ब्राधारी मुरहराहस्यबदन बीटन साएध् मुजबरीन त् रीताविलती-यग्राधतहरीसत्सामस्त्यात आहेआरा

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

गयपुर

ध्यदेवता।नवसत्थेके लामा।। जातमा आधीपतीस हीता।तेथकरावेगावनन्य। परामीजेथरेवीनहस्ता तेथनी (बारेबाबा। जनी जो राबीन राब भाव। तुरीते से विरावीसवीतिथे जानुमान उणे पउता देवा। क्षोभेछम ग्तज्ञ वरी॥ ७९॥मा हा खउतर देवता सम अब्रह्मा उमी की स्वाता आस्रत्या सी आवस्य स्वाता सो गसीते संचवतेनमी।।८०१ असे मुलवी भित्या सी।। आणी लाताव

श्वकी । र छायसी। मगनमुनी यादेवतासी। आ रंभी न्यमोहा २६ वि। दर्गामारानिन्स स्रीता आरमाय का तरस्त पारा ना की नार गंधवीने थे। गायन ऐक ता मुख्छ। ८ यह बस चेष्टपर्रोउनि। सुवासासीती-यावेधनी। उसरप छ जिसे बनी। परीते का मी नी की जा ने न वे। ८३। भी वस प्रदेशना गायना विधी कुरंग गेल मुलोना। कुंभी भी साउनिकरावयाश्ववणाकहनदनये उपारे। ८ धाना

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

112ह

चीबला ।

2/41

विवरता आरुभाग जाला आरु भेरव आवतारता। ता आसीता गुर्चे गेरी की भा उन्मन बना क भी वन से सार का प्रसिद्धातआ समेर ब श्रद्धा अंशा आ न तार सी वा ये।। 11-शामसासुरवधीलाहमाना प्रगटली मेला भ्यम रीतात्ततपर प्रमानाधा पाना या यत जात के ला सा। ९ गा आबी का तास्ता व प्रगता ना करी न तारी हरासी वदनारोन्श मुतिबसउना करापुतनरेमं वंता ९१।।

3

हो नी जिथे हे वी हा ता। आस रही तेस विकरी ता। आदु छ म स्तकीहें भी ता हाता। आत्म कर मोहो नी॥ = प्राभास्र आ पुलेसीरीर स्तारेशीता भस्त जान्छातथा मोरी न र पसं। क्रोनिभगवंताचत्रभूजनाराका। =६।वरसर्वसाउ निर्खा। पगरन्त्रातेथे-बीमद्नी तका हा हा रार्भरती जालेयकार्ययवंशिस्पन्माना र जाते मिर्न क्राधरीले भगरु निशी वाचे विमेद्द वके। युमी वरी

हारीना रायण नाग मुचणा सिवसी ताव कुम नामसगु णावियवदनवं नगरायना यन । विद्रमोर समको झबदी ता। राषी न कपाठी। पीतां बर धारी। निक के र निकव र्जिशिशीयंरारकपती वंरावन विहारी। मर्नतात मदनात्य जा। ९ अचि द रो क र चंद की खधरा विश्वना थ विश्वामरा क्षाळ ने यद म जी यं जा मा की बा विश्वी यरोघाची। ९४। मुरहारमाया महाहर्गाना अ सुरान



विन्ही

91

चाठ माहा हार्ता भी धरा। अंग धक मर्न आग बगा सर। माहा आस्र रमन रोचे ही। ९ पान गतन या बरने री के भ राशिध्येश्वरःसिध्यावरानीःसंसार निरहंकारा। रिया ने भर रेश राबर दो चे ती। ९ इ। हरी रत नु सी रा हुयी रायना यस ब्रं लारी वं धये सम् ह्या ने द प्रणी या दो घा सीयुजीना आनंदमयजगद्बा १५५।आता भोते द्रावे सावधाना पुरेकथा सुरस आम्ता हुन। विरमद्र

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

न्मपार्वतीलग्ना जा जा न न न न म आसे॥ पार्यी वडीछामत ग्रंथसी इसा जोतमी ससर्भी भेडीय तायआधारिके समयरमा नाथायके गईमी ज छ।।ऽश्रवशसीयस्तीमारीजण।। यं धनोतमीतस्रीती द भागाआर्जीवंजीव्हीदेउना आध्मर्वनीमम्न जि॥२००१।श्रीधरसामीं ब्रह्मानं दास्य पावले ते नी प सिधा तथनारीमेदामेदा।आशर्आमंग सर्वराणा।



वाबकी?

र्ताश्रीकावितां सत्तं मंग्रां प्रविद्यां संदेषु राज ब्रह्मों तरसंग्रापरीकात सज्जन आर्वे उगदादकी ध्यायां मा उहाग २०२१ छ। छ। छ। छ। छ। छ। छ। छ।



CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

। भिरीविकी कामंत्रयथ आध्या निया । १३।।

श्ववङी। १९११

श्रीमिनायायम्यः। आनेन दीवतार्वा भगवानपार्वतीवते अतिवयुज्ञद्वेषाभासानं सुटार्वत्भाभाजीसद्गर् लाने दाला पणिहर्या न मी शिंहासम रारी ग ज्यों राज नममसीद्राचरणार्वोदनम् साचामानेमीसारान सना रोभिकारीका प्रतीसाग्ताप्रमायुजी आद्भता। कथारेकवर्देशायहश्यक्रापतीपवीत्राआरंभीताता द्राश्चिसभा निद्रिनसामी अने भासर्विन रेबोका

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

विलाशामानगरात्मा सदासी गाजासी वंदी ती पदान रमाधवाभा-माये आणी वासवाशत वीती उपाते सर्वे वापा शीवमहीमाने छनी आद्भताशिवसर जनीदश्य निहीत्।। नरमं उमा आपनी मं बहुत। ग आ चा छ। ते। देसा हा॥५१।वरावके चर्ममावर्ष।।नकारावे दुर्गधी नेमना भिधामाग्न नर मवा छे थे उन्। वसे सम्गानी सर्व हा। हा। चिता मस्म आंगासी च चीटिं।।वि खार टाई टाई वेशि दें।।

इीव्टी ॰ मामद्र तितुके आं तीकारील। सब्पाने मुताची। अधारी 1211 देवलाग्छत्रीकाणा। क्राध्यंत्य आण्यरीना। जीती यने जी प्रवया मा। बारे जी प्रवन जा की की टीम स्तर्भी बारसरापाणी।।नाचत जाय जिज की तेनी।।भक्त देख ताग्ननयनी।वेसर्बानीआवचनी।शहेसासीर्बो बाजियरायिन निमाजिन के आस्रानिक वेयासी का

हानथार।।बहन डोरतयाचे।।१०।।की विनेदावयाकाय

कारणायकरादश्नो ना के ना सारायणा भी वेरी धलेनारीआभ्यस्थानामिनों भिंदीत्याद्ः खेगात्रभाष्ट्रे नी साद्शतयासीनिरी॥वृतीन वृती वीभागनेरी॥स रतीआयुष्पाचीआवधी॥तशे यहेब्धीयोजीती की भा शीयभजनम्भरी जीपतीत।।त्यायरी वी प्रेयं जी जी संख्यात।।यागरानजपतपन्धर्याउमानाथना योज या।१३॥ ने गिन्दीना जी बदया ज। ती परम जिद्यद्

देग

रीव्सीव

र्जन खया। मनुशामात्री तो ज्वां आ खा था थी या वन ब्राया।१६।।भासादश्यम्यादाश्ययगी।।केटातीया ट पारे भवानी।। सिंठायागमां शिट्या पीत सह नी।। मज बाट्याउकानयाभ्याभगपणां स्वाभीनमा।मी मारी निरीया सासना।तणसर्म नमाप्यवगना।स -मानेसीबो लाबी ल्मा ॥१ ६। मजनी सरला पास जानातरामीतथनार्नापानउपरीभावना।

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

म् उ। निसीबो छ तसे॥ छ। स्र को च च च न हे क भी री॥ पद्म जात जन के सहार्शी। जावण्या मत सरीते आवधारी। कदा ही तथे नवा जा वे॥ १ वातव दी ता नी रस कुठी छ।। ममदेषीर् र्जनस्य छ।। तु जाता चीतेथे तात्का छ।।अगपमां निरंधभानने।।१९७पाने अंतरी नारीकीती॥सार्वर्ननपारावक्तंती॥देसानी बद्भ बाल आं बीचे प्रति॥ताना रहतथे पात लाए।।



रायटी०

प्रा

स्त्रामीनुसद्ना जाब्या ठा ग्नान पाहाबाद राही स नाना मगनेशवराजाराहनक रूणा राक्षायिन याही ठी। २१। सबेधतले अनगणा मनोजय पाबकी दशसई न। तीयागमं उपर्ताभायमान। ऋषी सुरवशिभरती सावय आष्टना साषु स्थानी देवब सबी ते सन्मान नी।यक सदासीववग्वाक रनी। पुत्रीले अधि स्र वरा २ अने साता राग जात आ जी स्तार क्ति साम दे

विराजीता।शीवद्षीपरमआमक्तार्क्रीराकीतआवरानाव्या मवानी जवजी आठी तेवंद्या देखा निस्वर आनंद है। वशदश्रावध्रम्य हें। इनम्ब नम्यान्दी वरो नि उत्रोनी। वी री या समी प आ है। भवा नी। दक्षे ।म्राम्र र जेनी। चान्छ। जंथी म्र मं उ न । न हा न ग ना ता गु ण नियान। नपाहा छ नी पारे पी सब ह ना सि को बाचे ध्र रिमरछन्यन।।नपारे खिनानमजन्ते।।२णालनवभ



जीनी वासन्यान बहुता राश्ताय जी ते व्हारेखना जन विवकी ? नी कड़े बी लोकी ता ति ही नपाह ती ये कड़े। या मना तर्श 311 भावीत। रसकाणिबाताबी छ यथ। कन्या आणी ज्यामात।। मजहरीस नाब उती। २९। आरीमाया प्रणवस्पीनी। आ नतब्रह्मां अथायामी ना। ती या आपमान देखा ना। भा लस्यस्यरा ३०। सिणती दशा मुल ला सीयथाथी। दे ब्रह्मा उ माकी छ निमी शाता। आपमान देखा नि उमाते।

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

था। को धसंतय जाराती। ३१। प्रवय वीज पृथी वरी प्रवाति सात । इता ति सात अवित अवित अवित स्थी वरी प्रवाति । इता ति सात अवित अवित अवित स्थी वरी प्रवाति । इता ति सात अवित अवित अवित स्थी वरी प्रवाति । इता ति स्था अवित स्थी वरी प्रवाति । इता ति स्थी प्रवाति । इता ति स् पदं भीतमा गद्या अभिकं र के ता सउ अम की। कम कम वां शिराक्षणा तती। क्रतांतका वेच वच की। स्वणबुरा ति। श्रक्षाआता। ३३ हाकदेवी नी शीव गण। गेलेशीवा वासीधावीन। संगित्र तेसर्ववर्तमाना ने जे जो तेर्शन है।। उधा अंकता विउ मकोता जोमारा प्रवर्गकाती है।।



ह्या

शब्दी ?

रामर्गिन आडू ता नरा आपरी त्या आवेरी। अप ती अ कस्मातिवरभद्र प्रगटकातेथप्रवयस्त्र। वाहेआजी आजीहार्रामीनायिक महाबो निम्नार छ। उधा बारेसा वियाते साता चे दस पेंबु च क ज्यादेता अगका श असे अ सुउतास उत्तिन स्था जा। ३ ७ के भी नी बु उति देख। पिन्तातसा ३८। आवनीता उल कीशीती ही वसारीवा

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

गह्या

भीतवाभाती।दशावे आंजी नी सर्व रास्ती। नी पोनगेनी तेथवा। उर्। इस देवीर भड़ शीयसारण। सरोनी नी चाका क्रीधायमाना यकवीसपसद्बध्यन। मनोवेगेधावी अत् नात्राष्ट्रश्मारीकोरीं गणचे उनामानान धावीकाता आवणि तीवना तीव पुने धावी ना खातीके की दश्म या माधिश बारणच असेभार। त्यावरीयक का का वा क शबरा की वे नते च स ती धावसत्वरा आपार आहा पाता नी बाग ध्या

ग्रेग्वली

आलादेखानिबीरभद्र। पद्रा लाग छदेब समग्रा आबदा नेसोडी निसल्वरा अद्वी जपछ ती तथा नीया ७३ सेक म छ मुजभय भीव जीती। धो ने ग बा सी ने न ती श्री ती। कु में टस्वराही जीपती। प्रवता जाका तेथवा। एए। सीखी शा र जी सासकी। पजता जारायका यकी। यम आ पुछे स रपसाकी। बक्रवेश विवा विया एप ने तत्यपति त्यकाका। ससीकत्यरसनायका क्रेपाताताको निआके। पछताजा

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

العال

तातथवा। एष्। की र उहा ने विस्ति। प्रताभयना टे जातरी। नानापक्षितिबोग्निस इसरी। नव ऋर पदाले ए ।। विधीयावशवीजपउता|द्शावशितवीआकस्माता।मा राबीर आद्भता वीर भद्यात का। धवा वा उवाह बीर देश व्यमाना। आसी सुता खरके धनुष्य बाणा। नी श्रु अउम र गाभायमाना साय्ध्य सामगरका । एपा विगानेपा न्या शिलंदता। भगदेवाचे ने न फो शिता। खो उमी शा उपशिता



रावना॰

हती सा-याति धवा। ५०। पर जीधरोज आफ ही लाब इताचेकरपरमा शिलाकी तेकाचे प्राणगेळा बीर भ द्रस्वताची।।५१।मागुभवातला राक्सातेणर्थप तनामारीकीसलरा के उबेरीकां मंड पसमग्रा बीध्वं सुनिजा की की। प्रारेखानी नी रवीर पाश्ना भया भी तजाराइशापकाजभागीसहस्याक्षा प्रशियते थ्नीप्यादेश प्रविश्भद्रलणेशतस्विहिशा।

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

तुवा निहात के से विस्पार्गा। तुन ता वीन आ नी सी सा। सिवदे की या पार्व। छा। एष। विने प्रायआ सी खुता ती या। उद्देश स्त बो पी मा रा बी रा खेरी ता जा ता रक्षा चे सी राष वयथोरमाहाला। ५५। दशसीरममणी उसवला वी रभद्रवायात जी धातले। उमाध्यापासीते ब जा देवपा तलच्रमङानि। ५६। तमन सम्यास्त्रीतम् मनाम रीतीउमाधना चे स्तवण। जिणती विषमध्य जा मुग कर्ण। रावडी । दशालागी उद्याप्याम्याम्यामा विज्ञा दशालागी उद्यापाया । स्थानामा विज्ञा प्राचित्र विज्ञा प्राच्या विज्ञा प्राचित्र विज्ञा प्राच्या विज्ञा विज्ञा प्राच्या विज्ञा प्राच्या विज्ञा प्राच्या विज्ञा प्राच्या विज्ञा विज्ञा प्राच्या विज्ञा विज्ञा विज्ञा प्राच्या विज्ञा व

जान साबाया चेतीरा परीता नेश्य वार भद्रा पायात जीरग शिलापुदालिंग शीवदेषी जी दुरा न्या शाला ना क शन असा च सं सारा शीवनाम न घे तो आपवी भा ती सा छरानतवानी।।५९। जोन कराकी वार्चन। सामकर वर्षे रणछरीना। तीनपारेशीवध्याना। साचेनयन फोडीन मी। ६० विष्णु विशेष सीवटा रान। हार विशेष बी प्यासान।

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

neul

असमामना स्वाह निनासं सारान तया सी। धासव थानेशिद्धनसीरा। कायकरील विधीरारीरारा। मगमे प्सीरसत्यराद्शालामी लाबीले।हियसमीवसरोनी यार्शानिधारिका गेठा विस्वाशाद्वाद्र रावषे निरावे सासिवीतवने उपवना ध्यामाहास्मरा न जे आनंबन द तेथे राज्य राही साय उनाम गस हरावर्ष प्रणी नी व तपकराते थे। हिंधा छ देशमा च जा चे उद्री। आबतरली



ग्रेंचिकी ११। स्थी

भीपुरसंद्री॥ शीव आराधनकरी।। ही मांच की सर्वदाहिषु रीमनगरिकी मेनी सा। उनमा सामान पर्व नहेखा। पा वतीयं न्या अगरं बी का। आरी माया आवतर की हर ज़ स्वाउमंउपामा सारा। जी नी प्रतीमाना शहसरे।। कमळ जनमहोचनाशासासही हु जी बुर वे ना। ध्यानी वे स्वर प पारावया। यतीस्र भुस्रमी के निया। की वेस्वरपवणा वया। सर्कावर्गा स्तिन के। ध्या मगमीन क स्त्रार स

-119011

नन। कुरवं डी करावी ने भावर ण।। आरु नायका चे सो ह विष्ठण। चेर जा एउ की नतु यती की न्या। ध्याभा कर्ण ने भी विने व मुखान्ता देखे। निक नीत रो व दी न रा ने। किही दे खानिजी-यामाना मगरान मुखनराबीता। ७०।परमस्क मारपनः रामवर्गी।वोतीतीर्द्दनीयगाठीनी।द्वतेत प्रणर्मिणी। तेरी जारी रीमनगर्ने से नी। अनित्र सी जी



भवकी व भा

स्मामीना।विर प्राणीवं ध ने। ध यो ब्रह्मारीरेव मुळी हुनी। ग भीपाक्ष बादेश ने।। बो छ ता प्रकाश परे सहनी। नीराद वजीकामकामाष्यानकारामनकारामानकारामा करावी मुखाबरणा अंगी चास्यास संघूणी ब्रह्मा इ फोड़ विवरि जाया ए धास्तर जवाल ना स्निजा। बार र न रासी बी खरती।परमुदातेथेउमरती।दामछेउगवतीरी स्पतिथे ७५। स्वासासवेधनवसंता। भोवता गरव अलो छता देव छ

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

क नक् ल ता क्रा क्रा क्रा का कु नी उत्र की । ए धानि ही सहीत श्रीषुरा है। विजनी ही मान की तपक है। विवह वी जासीसउदशारीमनगयेता सासासाधाणां पादातान या छ। गणा करीत साब्हत स्तवना यावरीपावती येड ना करीसवन गी वाचे भणवासा ही सहस्र लाव ज्यस्वाजी। सबसरमा ने नाप की नी। तथा सरीत ग जी राजननी। से बा करीसीवाची। ७५। तीसुरभी पुत्र रक्षणा ध्यानस्त सदा



वं यब्दना लाबी छेवं यह यहा यन। सदा निमम स्वर्षा ६०॥ 311 नारका स्राचेष्ठभनी चेजनगानारका श्नीविद्ना जीक मञता यन। तिहातपद्माच्याचरान। उमारमण आबिता। ८१।। सरसद्यक्मवेब्र रागाभीवनीयुजीलाभीन्यनास हस्तातयकेक-युन्याकिम छ जा ते यक रा। दर्ती चीका छाननमकमका। शिवार्चनकरीते माछ। माछतीयक न्य-य आलामगस्मीरे आपी निशा ८ अ प्रसन्ति। इन

गेवलीव

1192/1

भीनमाशिच उटनील तार म प्रमाशिचास ही रीधरंग आ विश्तित्व शा ता ले आ जी वार भी भ्वजी।। ८ धा ती चा सी चे तुर्यत्रसन्त्राउना जीपुरे रीधले आंतरीक्षणमना। हीसरस्य वर्षसा धना। निमी ध्यार्थ के होती। ४५ ईतुक्या तं नोध्नधरामारी छ जो छ ससाधन रारा भी पुरासरी तसंनारात्म-याकरालान्धारा। दधायावरा सातीची जिणी। त्रीमुचण जाजी छ ब छ ब र जी। देवप डा छ स्थ छ से।



गंबसी व

जिति। विशिक्तियर जी ब्रह्म विशिष्ण मगदेव ऋषी सक्त मीजोन। वेबंहपती सगेल वारण। गर्उ ध्वत सर्वासीच उना शिवापासीपात्ना ८० हरीता अद्भनस्वना पर मसंताषका भीनय ना संगी जा तो प्रसंन्त्र। मा गबरश नआपशीता। दश्मिक भीष्र राहे पी डी छेब हुता देव ऋ बी जा लेपर-प्राथी विलिण पारी जिरथा। भी पुर मर्ना कारणार्वातर्वबालतीसमस्ता आसीसज्ञानरता

रथामग्रंभी निसंवर्नहोता च क निश्चीत्रासीमी का हु॥ वंदराजी शिक्षासहोता संभना हे ज्याही पुरुषाथी। ज्या रीनेरत्रग बढावंता मुनीमंत जाहा छ। १ सार्थी विधीरोयसंबर्ग कानीके शास्त्राचेना होरा पुराकेत गटबंद साजीरे। आसे कावी करधा सी। हुआ कनका दी चेधनुष्यथोशाधनु असित मो ने द्राविक श्चासकुमार।। जा का रात जिल्ली। हिंदारथी यह ता उमानाथ। रसातका



राबङ्गा

9211

सी गठि। ठारथा की न्हासी न उप रे निश्वी ता। मगनेश कालीश्रानी ९५।मगस्पर नीयक यर गार्मनेशव शिरे उना आपार युध्प करणा भी पुरद्छ संन्ता शिले। रातसयुध्यानेबन्ने काशीरमदेसंसारीले अस्रा परीआमतकु समग्राहे लाक डे आसती। १ ७। आंमत सीपीता आमीत्या संजीवहोती संवेची देखा बी वेमचा स्व घारुनि आद्भना आसतं के डे बू जी यरी। १९। अंति

राजानीपुरम्ननि।।तिश्वसाधी म् रानीपती।दीसहस्व वस्व जा की यरी ती। न हा के ची पार्ती कर्गा इंडा जो जी की। टला वर्म पुरातिर भी मर्थी गंगा थो रा निभी वेबी इपड ताआपाशास्त्रासतथे नारा छ। १० १ देसकी यापती वताथार। तेणआस्रासीजयआपार। मगबीध्यर्ष श्रीकरधरा देसस्त्रीयात प्रवेश लागावरबा खेआप वीत्रा प्रगरीताजाका न्यार्वा स्त्रा स्त्री या नापती व

ोवकी॰ प्रा

साधर्ममाउनसमग्रामिभी-पारमकीकरवी ली। यातेष देसासी नां ले आक्तमाना तो ईक रे शोबेल श्रमा धुना ध एकासीयाजीका बीच्छाबाजा। मारामहीत्यजाकी जे। आ की उगबल सहस्त्रमाते आते की चवारत्र चालीला प्रचंडा। मारावयारेस उरंग। मारा गिक्री प्रगरकी। धाकीते प्रयमाठी नीसीसा सब्दा की काताता नी जीनाते अगाठा।कीते प्रवेष चातीलामु स्थ चेप जा निवंशिका

य

की ससकारी में ने ने ने निपारी।। यक बर के आर जा चे यही।। देसभया भीतहरशी लणती क-सात मा उन्हा। ध्रामास शतज्ञ पुन में भा सो उन दी घेर दिन्या स्त्रानिव रवे उधरभी आंवर। तम्री छेतेका जी। जातर स्वरी माक्य किती भेड़े सीधावी निही यशकी। भय यापी सासरीता पती। आगगम्भारातिरागमा वार्यनीमानपवनीती। रीकेर्री आसुरर्उती। यक्षम्खना यउनि प्रती। न्उट तीमागुतीर्।

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

राव्टरी १

स्।

त्याआस्त्रनलगताध्यण॥ श्रीपुरसंतिला ज्ञालग त भी शयन भी चा आगन। साख मा सा त या ता १०। ती न गा मरोन्य सरीत। नी दुंभ स्मजालते था देवनी व स्तवन करीता। चरेणधरित्रास क्रेमाणा साबरी नी पुरपीता तारकासुरा तेणमगत्र अयके लाभारा देवप अविते समगा चंद्रस्पधर्मिन है। १२ मामीरधीआहोगंगा प्रीना धरोनीनततारकास्रा देवांगणारासीसमग्रा

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

कराज्याहिकाल्या।१३। ब्रह्मा आजीवी ह्या राजीवरा करी तीयकातवीन्यारा सिणतीरीविउमाक शतायक माही रलप्रम्यान्यस्वा१धासान्यासातमरलतारकास्राम गबो छ। उनिवं च चारा लिण ती ला जा उनि सत्वरा। चीव पार्वतीसी हे न्य करी।। १५। रामा ज्यकी तपकरी या मके शा। मन्मधातु पुरुवीतयासा। मगरतीसरीत कुसुम्रा।। सियाव की पात ता ना ध्वार्य सिया स्वर्पाता रती ते व्हा

No

शिव की व

2011

अवराता वसतेवनसमस्ता भंगा शिलेतधवा।१ जा वी। वाचमानसी सते जा। प्रवेशका शास शिध्वता पार्व रक्रशिरामब्जा शीव्धानासी विश्रेपीना १५।ती पश्री हा का वया ने री केश्वरा गेटा हो ता ते का हुरा। 200 पारंती रोबो निकामा हुर। पारी सी उभी मन्मथा FEV (P) च्या।१९। शी वे उप शिट्या नय ना ती पुढे दे खी ट्या म दनालिणमासत्वासीकेलीतानामानले निय

निधाला प्रविधानरा मस्म कला कुस्मप्यरा राष्ठा नमास दे। गिमासा-माराकामजा कीर्ग तरीवसी। २११ वा वा स्तग्वा। माराहा हरा पर उना समरमहमं मज-मा राणा-गना परी उपहासी ती॥ २२। शीं आ तेनेत धीषा सुना फाटन नमा सी हु ता रा नी सरणा जो रेच तथा की स्त्र प्रणा आवर शा जा ण त्यासीनबाधी॥२३॥अगसासंन्हारं की पंचराराष

UN

रोव्टी। च्यारक्रीपंचवगमा ताला छ उदानिक प्रमोश 10 ग लाके लाससद ना सी।। यहातवरती बाक करी वहा नामगसमाधानकरीनीर्नर-गथास्रिणेक्षणान तारीतुसाकोता।आवतरतस्य सम्मनीउद्शावपाक क्रमजासनेक यस भागीता। केर पोसी शापरी भा टा होता। शीव हरीने त व ना। भस्म तो सी छ का मा तायद्यासारीयनगन्नमारी। शिव प्रासीता जी

तपकरि।।सयम्भर्वात्राथितीः भी पुरारी।।वरीकृमारी शमनग अपानी। विश्वामा वरी पार्वती तप ब्रश में बजी। शीवतेथेगठाबर्वेशधर्जी।गायनावेछर्का र जी। प्रसम्बानी प्रतिते न्या। न्याना सया तपन्री सीत्यथा यशक्र का में डोस ना था। पती ना बया य थार्था आसमान रतत परे था। २९। बर्बोर्स तमान सरी। त्तवरीमनगरानक्मारी।। यां कर केवव भीकारी।।



91)

रावकीव माराकोधीरारण।१३०।वंदेग अचर्म पांच रण। गार्ध छ येनी सला पुणी वस शिक्ष माहा समशाना भुतगण सभा बते। ३१। तरी बी छा बिट्डा सी स छ न। त्या सी तुबरी देसबयना तु जवा अपपंच बहना बहन से सर्वधा। ३२ जेनताशाभटी जगन्माता। शीविनंदका होरेपरता। वर्ननराबीमागुता। परमरवना देशीया। १३। शीव नि इस मो इराज्यारा त्याचा वी ग व न न्या वा साचारा तुन

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

शीश्ताकरीण निधारे। विम्ल जो निराही रहे। विधाल है पत्रगरक्रीक्ष्रीरा। पार्वतीनेक्रनी जयजय आरा। स्तबनमां डी के आवारा। चरण हर धरी पक्षा। अपा शीवस्रणतसम्शाप्रसन्त आलोमागलवला शार्भा भीकासिकाराबदेशीआधीमीत्रस्याजगरासमा। अग्यस्यस्रोभी पुरारेगा गे का के का सासी ते आवसरी।। पीतसदनातेसा करी। ने की ते व्हा ज गरंबी की। उप

311973

मगसयम्भ भीतेव के। की विश्व मी चकी पाउदी की मनगे आररे प्रजीकी बीउ बीप-मारेकर नी पा वि आरंधती जब की यउना। भवा नी पाही सी आवंदी यू न। ज्ञानिवार्वती आजी श्रीवष्ट्रणी जो अरोप निर्धारिष्ट्रश मन्मथसंतर्यममासी। उन्ननेमीले अध्यआर्मी सी। निश्चयकर की ससम्बी। सखानासी पावले ए॰ मधीराई उशीब गोरी लग्नाई की ती ब्रुस्ता रीस हर बन

गब्की व

110

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

यन। तारकासुराचा प्राणा। शीच प्रभचे ईत कथी। भगा इन्डेनंदीसपार वो जित्रवेके। सर्वदे वासी बोद्रावीले। भीर्याये छ उनिपा के। पाक्र शासनपातत्रा। ध्यार शिस्तरीत रेरीरावरा साबी श्रीसरीत यतुर्वगना। आव्यासीसरस्य ऋषी भारा ज्ञाच्या सरीत निषा है।। ४ असिद्ध नारण उद्येत्र की खगण मर द्वाण वस्तु आ एस। यभार रा सद्दार या आकी। यक्ष ना यं के बेर नि क श्वाच्डी 2911

धालाएधा आयुक्तले बहाव बेसी नाकी मपालनिया लेसंयुजी। नवगर आखनायका आरीकरणा की न्तरगंधवसर्वेशाधप्रयास्वीस्हीतरास्राशमा आला चना सत्यरा नगें इये वा निसा मारे। उनने हे लेस क्र-गन्। ४६ ह्रास्ट्रम्या जने मं उप वी त्रा उप चेतेजआमुप खुवर्णसर्नेहेशिष्य। ज्ञानयसारीध ट्यासमस्ता। ४७। शीबर पपाराता समस्ता ब्राशिता

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

नी भी स्मीना य सम्मण ती यह बर्ना प्राण पुर व आ नार्गा एन ता आहे के नज अन गुजा। नोव शस्परप आ तीसगुण। आसोर्वन्त्रमतीसाम्रतण। मुखआताती मा द्री। एशुआयं तआव चेसा हीत्य। कमका द्रवस् यसरीत। नयनीधीआसमासीद्वीरावत। न्युन्यतेथ नसकारी॥१५१।आसो नवरामीरवतानिताआपुत्त्रा मं उपाता। मध्यकी शेषु जासमस्ता। ही मान्य स्वयम

शबदी। रितसा५१। तम्ब घरामा आठी नबबी। बारेरआजी की रीमनगबाकी। नेशंगारसरोबरमराकी। उभीकेती पर धाआर। ५२ ८३म घरीका पारे ही न पती। मंगजा समे सिंग ब्रहस्पती। अंग्रु वय मिश्रीती। क्रमन्यासम लगतसा ५३। आसोयथा निधी संदुर्ण रोपा नारे पाजीग्रहण। रोमासकरीती प्रदक्षण। रोखे बोहोरे तेथ्या। ५ धारत्के या ही क जा छेस ब्री। परी जो वरी

12/1

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

123/1

देखीः नाराकाका नाम दशनाक राताते समरोप दन खदेखी ते विधीने॥५५।कामेन्या वी छाप का जाता। रपरवागिर्वीरु प उतासारी सहस्त्रवास्त्रिक्सते था। जनमछ १नण नलग तामध्यान्या ये देशा निया थो। मर्नातककी पटा अराजी बारा बुक्त या वे पाववेशीर।। छरोनीराकी लेतं धया। ५ णमा का यक्ष की हा ताका रा त्यावरावे मुं श्चासमुमारा समाधानम राआपार।।।।

3T1093

भ्रतीबरही R311

यत्रवगमनामने भ्यापाव्यागिप्याभासायथावीधी सोराजा। जारीरीवससंयुर्ग जारा। सक्छर्वा जोर वरी न्या। वस्या छंका रही मन गेषे। ५९ वावरी सक्छ देवमी जो ने। उने राही ले शी वा चुंड माउनी। वी नवी ती कर नो रो नी। आधीते माले बी श्वना था। १६० (स्वूटकी) विशाची उसती। मन्मथ उर बी उमापती। मगतो मीन ध्वतयुरती। भाभगक्रानिनीवनीत्ना ६१। भाधव

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

पुत्रतारका सरातिनापवनी छे इवसमग्रा शिवास ताईत मधीय नाहे बसम ग्रचीतीती। हिया न्यारय नेप रीयंता की ब उमाये कां तरमता। परानच रे विश्व विश्व तानके स्तत्या ज स्रीता १६ आतारका स्रेके छा आ कांतास्व मी जा जी छ सम स्वाद्य छ छ ना यर जिनेत राशीयहन के छ। या एक दिव रार ज शीबा सी जाती। तयतेरोधेयकां तरमती। देवऋषीबारेर तीस्ती।



341093

2811

7196319

आतकाणान नाववे। ६५। मगआन्ने। तथेषारवीता। आतीतवेशतेणधरीला तो श्रीतीय ने श्रीशीयाचे रातीला देवेपार बीला आमी मस्न जा नी ६६। हा क देनानि भीशामागता ना शीब शीब प्रती आ शापीता मास्यियं धरणी आद्भता भीश्नादेश आसी ताता है। मगआमाचनीर्यधर्णाहतसेअंबाआणुनासा उछितेथवीर्यजाणारितद्यप्रजाता। ध्यानाचि

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

गरधा

वाराचंबवा नधरवं का नासी आती ते जा वा। आसी क्यानिवर्वता का वा ना न के होते समरी हरा जा जी मालागरोर्र। परमल जीतहाँ केताराता सारी कृती कापरमसंद रा। ऋषी पट्यादेखी ए आ। तेणगेशतभानकर जी। तापतवेस न्यासारी ज जी। तोआञ्चनेबीर्चतं सर्जी।। पोरातघातकेसा री-पा। ७१ साही जिंछी जार-मागर्भी नी। परमआश्री



ताब सी व र्यस्तिनिमनी।। मगताता नो निगर्भटाकी नी। सा 2411 टेगिरीव्यंशिरतात्माळघडले।साराम् खेरस्तश भरते। दार्शसर्व तेजभी। ७३। क्राती कमासी क सीकाचानी। क्रमारनमन्त्रामाहायोगी। मयुरवह नमस्त्रजानी। उपासक्त्री शापा ७४। हेबास्स्रा गवेश्वामरा विवासी जान्त्र संह प्रभा है सताहेब CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

समगा नारका सरावरी मानी ते धना। ७५ शना का विवाहातर शोजी॥ त्या चेनगर वेडीत सुधा पाजी।। प्तनेसरीततर्रणी॥ तार-मास्त्रवारेर आल्डा। एहा मिनेआयुका निमयुनमा जानी।आवर्वीचेन्नानी लास्तनी।सत्यवषेम् आनी।त्रात्रनपायणकशित साएजाई देशामीका तीका ताउना से नावती त्वरीधलेसंप्रजी।रीध्यरधीवसंगन।आभीश

h

श्वद्शी नुक्र ना सुमारा १००१ सहे ता रेस्र आणी स्थापा मा सुम्बर्श ती सार्थ र जी। देवर गडी हरे देवा रहा। विश्वालियोनिस्माराष्ट्री ७९ सिरी प्रदेस र जो उना देव करी ती आ पार स्तवना रक्षी तार भास्रापास्नाशिवस्तर्धेन्ततातोवना॥ = ।। तरितसका डी सुरगरा उभेस्या मी चेपाडी सभार। तारकास्राचेबञ्जापाराद्यासरखक्तराचे। CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

देवा वा वता त जा जा नी सक्छा कुमारे हु पशी के बी बाग वा ता रका सर धा बी ज का सब का। वी वस्त्रभारखध्य-गाटशासारका सुरे आ जी वाराव वतसायका यसभार। सामी चेपारी सी सरवर। क पतीसत्वर माउनी। ८३। ८३६६६न मापाक शासना तार के शकीशियकी सोउना प्रखयनप्रामा गेडा क्ननामनोवेगेन्यानीती। एसाम्याभीने करापनेदना

राब्दी। राशस्मरणकशकरको इनासको इशिरामानस मनरंजना बारायेडन जा की आता हथ है साने दाविश्वयाप्का। द्वावता र्वक्र पावका। म ध्युरनरकानका नीनारी प्रवय्यक्ति है। ६६ वैस्र शहुनीमागमाया। हारीने धारी ही। छन्छा। ख्या। तीनते शक्तापरता निया। ये की कडे पाडी ही गरण या बरीतार के बाजा चा पुरास्या भीवरी सो शिले आपार्।

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

म्यवसरा निस्य मरातात्केरी जी जी नामाना का लिया मरातात्केरी जी जी नामाना का किया की जी की नामाना नामाना की नामाना की नामाना नामा तीत्रकहानी जील सह जस्पीती प्रशास्त्र संस्था वर्ने पोर्ण युखनात्रद्वासमाना भयानसरीसेमय्रवहरी। तारके ब्रह्मा राष्ट्री धारते से इनाम तेश माओले आये ट्याद्र गतितुक मंभ आ स्त्र निर्मान। तितुकेश जिसेटें चेर्फ्डना प्रजयका जो की वनहना ती जी

श्चर

तक्षानानी ना जिन्द्र शिवारका सर्। स्वामी वरी था वे अभी ना सामा हा जुतांत री से भी सर्। सोरामीनीसारीखा ९२ असारेखान राजनगा असा ना असीरामरे उनारथा खाली उनरो ना मलयू प्रमा दिशिहा । शार्थिस से नी आन ही जा। तार भास्र भी न डी ना धरनीवरी आफ्र हो न्या निया निया स्त्य व नाएशासत्परीनपरीयनायुध्यनातेअत्पद्धना सार

कास्त्रआसंना नर्नरकेलाआफरोगि।६५१।नधो जिगेता त्राणा हुंदु भी गान भी राभी रमणा । इयम नीस्रगणाकर नोउन स्तुनी करीती। हिं। मारी ली जिल्हा नार का सुरानि का साता नर पाना री। व क मना। मगसेनापशीलसमग्राईदेसासीरीधलेगडणातार कासुराचनगराईद्रेडिशकसमग्रादेवश्क्रीपासी वि अभी सामासाय शास व दे व मुक्त जा ले। द्वारा का

ावकी • (९)।

अयनाधाना अयआता शीन प्रभासा कुमार गलाबाराणसीसा। नमुना की बम्हानसी॥ १९। मगना तिमोत्रीव्धन। सर्वत्राधिकरी ग्रानन। मगक्षपाठीवेस रगा ना अ ए छान सरीत सा २० गरा गनना सी भवा निस्नणत् ब्रह्मचर्यकेले आतीपरीयंता आतास्त्री स र जीयथाथी। यह स्ताश्रम कराबा। श्राया उनम्ल जो ओवेष्रती। सागर्छ। या के रया आहेती। म्पाइरवी स्मानी

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

श्विश्वीती।केसीआकृतीसंगमताय।आपणीस्रवी कुमारा। मनसारी खारिका मासर्वना। जैस्ता शिर स्य आरोष उपग्रमा। काय उतर बोरात से।।गतुन सा शस्यारकीयाजशातुजसमानमजनिर्धारी। तस्याव चनमाताश्री॥आंतरपरानेशमी॥४॥असादमार बोलना माहाकप्यात जायपको नामगते में न्याता ग आपणा धर्धायी न शितयातापाना हो वेता कुमा



राव्टी॰

(110)

रतेश्नणी।।आंबादुः खीतपउठीधरणी। जे भीभुवनप ती नीरा जी। वेद पुरा जी वंध जे। द्वा आरे कुमारा दा वी वदना। आत्रामासीयासनासीयाना की का सपाज रागनना निजबदनाराबीरे। अधिरेतु से दुःधली जी। लाजा निक्रमार राकी व मुनि बो छेते का भापवा जी। क्राधेकरोजी कुमारते। दामासदर्ग का की स्त्रीयाचेतीत्यास्य अन्यविध्वारोतीत्यास्यामीर

र्वणयुर्वासीताई द्याकार्तीक मासी क्रतीका योगी। द्या तोसस्जनमपरीयंतासमाग्यहोईलवर्पारागता।आ नामीक हो आधनामा तां गयाता दर्शने छ। भसमाननी १९॥ स्वामी सन्द्रवी वी नवी नितमस्ता। भवा नी तुन का गीत्व मकीता। जानो नी नारा ण सिस त्वरीता। में ठी चें यक दा गारी मगसामी आनंदव की जाउनी। वंदी की जीव आकी मवानी। उभयताचे समाधान कर की। मागुती ब लाषु



।व्सी १ रिथ्य जा।।१२।सिर्पुराजी कथा सुरसारो निकारी का त्रतीसांगता अकता नी विद्यसमसासमर गमा नेदर 711 नहाती॥१३॥भापग्रिस्यावीर्मीकींदा।श्रीधरवर्वा ब्रह्मानेदा। युर्णआनंगाआनारीसीद्या।आनद्कंराज गहसीं१४। रिती भी गीव ही ला चंत ने यम पंडा किर उराणव्यानिर्स्वर गपरीसीत सजान आस्वर गभया द्शाध्यायामाउहा ॥१४॥ दशाक्यादशादश り1とうりも311を311を311を311を311を311を311を371を CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham .

गश्री शीव डी टंडां सत जंथ नत् देवी ध्वाताग ३ छ ।

21098 गब्डी । श्रीम् ज्यावनमः॥आनेन त्रीपतान्देवग भगवानपा 1.11 र्नित्तेगश्चीसीब इज्ज दुवेषांगआस्यानं मुखरेषतंग्रा भ्रमास्र रारणाभा छ ती बना। भागी ब बरदा भरम छ पना। मक्रवसना भवराग हार का।। भेराती ता सुता धीपती। गामवानीबरसमइ कारका। भोगीइ सुष्णा भक्त पानका। भा भी कर श्वणभन भयरारका। भक्तता

वका भवाध्वी। यो भी ता पहर जा भी रोष तारका। भी गु

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

जासीता त्रीय्रातका। त्रीयुवन जनका त्रीवका। कुन रशका त्रीकाउवेधा। अत्सीया कृपाब के समस्ता। नया दराआध्यायपरीयंत। इधीता सीवती वां मत यं था। आ ताकतकाध्यायाचीरावा॥ धातरावेआध्यार्कीवमोरी लगा संगीतलेखामी कार्ताका चेकथन। याव री यो नि कारीक मुनी जना। सुतसा गत्या ज पती। दामी का आव लीकनेतल ता। सोगेनग जो राच गोराचिक था। दो घेषा



कुरे आसता। जगरं बाख्य वी की नी ना धाग म शंगसवी संगाच उना विश्वननी हैत संसान पाना। श्राहें उक रणा रुधवा दितग्र ता राजा आंबे ना प्रीवरी मीती। अंगकीरवीगणपता। श्रातेषयसाचानिनश्चीती। रास्याप्रतीबोछता । लिंगरे चेरे आमता ने ब्रह्मारी काआप्रामा संह बोलेका धयुका उरी इत्से नचेमा है।। या उन न स्रोज बरा चर जननी। स्त्र बना सी स मा जला पा

विली

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

गर्था

हिनयनी। उनी स्र्भेदती मज्ञा भी। संगम् अनी सा रीयाते। शिश्रासी धर्मीया खाते। पाउकाय आंबेयेव छ। याचनाजीक विज्ञान आगते। का वो के ते असे तुना । गर इचंद्रमीनानिश् मुर्शानसब्दीसमदनमनो शरी। परी हा छा बना शी ब क जिथो रा दंत यक बाहीर विशा छ शिस ग्या ओसेका प्रसब्दीसबाद्या ओयक ता रासे प्यक्त भवना। धराधरेद्रनदीनीवे त्याला जा ती सही हासे ना डोपे। १३।



वस्तीव संबंदल वाजननीय पाही। यासी उत्तरी म जस्तन पान देशी मगजगर्वेने छ व छ है।। वि वे वा खा छे बे सवी छ।। १ छ। रान्मुखास आउवेघेउनी। सन्जाधाकीत्यावेआननी। पाचरीमुखे आ ऋरोजि। र डो ला गलीते धना १५। ति हे ला नियागणनाथा विरधरोनिगर्गरास्तास्त्रोओं ठातुसाकेसास्ताहाक क्रोजित आन्क्रोक्री। १६। पक्सन्या तलेयाचेवरनी। आजीपाचआजीसीकोरोजि। जेसे हैं

कतापीनाकपाणी। कायरासानिबालता । आयसण तागजबर्ना ऐसाका प्रसबकीसनेदना। याबरीआपणा खुरास्पवर्ना। प्रति उत्तरदेत से। १०० सिणे हातुसासा शिखा जाना ने दना। तुन्ही पंच मुख्य हा जा नम् खपू जी। है के ताहासीच्छानीनयन। पुनपाहनीसु खार्ने।।१९। यावरीत्रा मुख आजीग ण पति।। ही का की तुके रो चे की उति। वी नी रक्यत्करीति॥ आरवं उत्रीतीओं तरी॥२ गरो वरं तारे उ



रगा

कानि।धारोनि आक्षीजगनननी।विकतं असीहर्श धरोनी। समामाराले दराकाय जाले। २ शती समाम के यउन। आंबेमासधरीलेकणी बोलीलायक्करीनव्य न। तुसनयन सान कारे।। २२। जगर्बा मगता सोन।। आ जीसं मुता प्रतीबोलेब यन। गजाननासी कि धीनब बन ऐसे से से बो की लासी। २ अ संबद हम न तर्जनी उच छोन योगे जीलेमासेनयन। यावशह मवंती असोन। यह

द्तद्वी ना प्रती बो हो। २ छ। जिंग ला आणु बीत के हो। कुमा राचनयनकामाजीछ। यावशगजाननबीछ। ओकमाउ लाजानायवाना। भामासे भंउ तं बायमाना। ये गमा मीलेचंबगचालनाआन्पाईराचिमीभ्यणाहना यरीताउन आवयासी। २६ यावरीस्यामी मातीक बाउता आंबेयं जमा जी ते राता या वरी करणी मुमार खबो छत। मोना समगीनी ते असा। २ ण या जा

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

311092 रोच्-जी ० न्याययक्तांगना ओकतात्यासीकशताउनामो 511 नाकन्जाआजीजीनयन। सावधरानोनी अधिती व र्भमुख्सिनाभी उसे इन मनबोकी का ओसाय धन वयनात्सेपारकाष्ट्रणोमारकबहुतभश्रीते। १९ धार ओसेॐम् ग्रानी।राषासीहर्द्धस्थितीसरोजारो नता धासीत्रीयवस्तुदेउनी।सम्जावीकितेथवी।।३०।याव रीमदनातक वारा सिब्हास निवस साजा जारे बा CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

मु खा क उपारे। हास्पवरन करा निया। ३१। पावरी विस्पाश्नवास्त्रता का वो हास्य आ हे आ करमाता या वरी की माता लिया ता। नव अयम दी सत सा। वरी तुम-याजगम्गुगता। उठनाम्मती आहेरीसतात मनीक्रजीआद्भता पद्मजाबीरी जा समजे नी। 3311 के नास पती झें जो ईभ गम जा हा रीम ध्य म् ग राषा क्रम दना।म स्तंकी जव्यधरी ते वरा न ने। विराधरेपी



511

केश्वरी।।।धाषावरीबोटेन्यातुर्यसरोवरीमराजी।। जवनशस्त्रीचेवदनयवेकी।।वदनस्तास्पवेद्रा की। री सते की भावने भाग अप यावरी बो छ के जासरा ज। विद्याआधरी मुखनके शरीज। सीमायमान सतेजारवर्यातरीसतसा ३६ यावरी सज्ञ जन द्वणी। रक्तंदमाना लिण पंचवरना। निवक्तरारा जीव जा प्रयमेवस ना। फुस्मव जरीस ताती। १३०।

الجياا

या वरी बो टेंड पंच बहना कम अमी ती इस गंध घे बे साना। नसति पुससी छंद्ये उनारमारमण सहा दशा अवा वरी बारे भुमंग भी बे की।। समजासभी नयाकार खडवं गपाठी।। तम-मामायकी बीची भी युनी। आन्माय स्तीनेनती॥३श्यावशबाछित्रामन ग जामाता। भगुरया न से ती पारे व रीता। सकी छहा स्यत्व पता हिकीत रवे तु सी का नी। ध गाया वरी सक



बॅटरी। जनमराची सामी नी। बोले कं बुकं ट कुमं उस्तिनी। लगेकी रवासी नेजिनाक पाठी।। का बोरीसती आक्षे।। ता एशायाव श राम राध्वन दर्न बो छता बुम बा भोवते निरबह्ताने अनक्षी मीनत छ पता हंस गमनी नीर खीबरा ४ था ने आनं त छ ण परी पुणं वे छ । जा भी पु रसंदरी बोले की मज। स्निगरा जी बाश्नास्थन युगज। मंउ जा ऐसेरीसरी॥ ४३ यावरी बोलेश्व जा जी। जो

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

11ess

कुबस्धाधर चपनं रीनी। तिस्थनन के निच रोन्ही।।वी त्ताक्तनपारं बरा। एछ। गंगाहर्याचे रान्ही तीरी।। यन्त्र बा क्यबेसकी सा जी शाहु गा लि जा ममब धुन मु जा शा। बहसाही सपुरवी देशा ध्या पका चे आने क क क जा। दा बीलेरे भी भवना हम ये मी न्यय धरा वें यर गा। बोल हट आवमां जसर्ती। ४६। मगमं इनिया सारी पाराख , जितीराक्षायनी निजं हा। ज्याचे ते ज जेवता वरी हा।



यन्यहाती भी जगती। एजारो चिख्य कता आनं इ घन। तब पात्राद्म मजाद्भवनं दन। ब्रह्म बी जा बाज उन। करी स्त वनआपारा एवा मगक्षण ये सस्त हो उनी खिळहे से नारदम्नी। सिरापनके ना बाबुनी। रंगन्य खेळा ताएशतराचासरीमानलबर्तापनक्रानिखळना। अभी भी सास पेक वस्ता। आपुर्छी धार्वी नियी र ता। ५०।। तो प्रथम अवते स्राणी। जी की की की की नवा नी। व्या द्री।

वलीव

बरचेत छ हाराना। नारद सुनी तास त से।। ५१ हु जा उग्न जी। कीत भवा नी। चेत छ दश चे चर्म हारा नी।। यका मारो व कतश्राणी।दाहाहीआयुध्य घेत्ही॥५२।जोतो अव जी की भवानी।। सर्व भवने चेत्र ही ही रो नी।। सेव डी की वी निरीसं(उनी)। शंकर जाटारी गांबर)। ५३) खरभी प्रम मींकी ला। तीरीरेबीने आयु ला के ला। नारर गर्ग स हासीन हो। का पबोकी हा सी वा सी। पुधानि के स्त्रीने



आ०१४

अंकीलापण। येणगेलातुसामरीमायुणी। श्र्षीआ वधीमायआधीना तुनीर्यु मानी बीकारी। ५५। न्यरान रमायआधीन। तीनत् तरीधले सगुणपण। यर की तुआन्यसपुणी तुजकाण पुस्त होते।। पृद्यवं माय आधीनजालासीजाणा) आसामन्कासीकेसदावीसीन दना। असे देशताभा छ छ। यन। मे छार सो नी ची र वनी। ५७। इत्के मुख्य सर्मा गेला तेथा न ब्रामं र

रावन्त्राव

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

न।।शंकरसर्वगक्तन।। निरंजनीवासके ला।। प्याना धीतानपरको जासराशीयोगीध्याती सदाहदशीनक छमुजाजकारकारी। जातीकुछनसेनी।। ५९। नाम र्षगुजातीत।। जा अवर्ष अमवीर तीत।। व्हरेतासी आतीत। कान्सास आंत न छ गे नी। छ। जगरं वा सरवा। वेउनिया।वणाचाकीकी क्रीधावया। जीश कंदरीम ट शोधनीया। भाग की बहुत जगरं बा। धा सर्ही नी



र्थियोधीकी समया। बहुतासी प्रसीका समाचार। साधी साअविगयागमागीयोजीयाराई परेनाह्याक शतावन्याः तासाधना ध्रमपाकी जहाधारी नः न मोन्यायकीसरासाक्छन्यनायकगगन्यव्हा कीती। हुअस्क उम्मिनीरंतर। यक्षेत्री वा सुअग हार।। त्यासरी प्रस्ता शंकर। काट आहे न को टल ती। हुआ यसमरीतीसरायस। यसमरीतातीबकीराना। परी

तो धरें रो ने भरना। बरी हो हो ही सर्व हो। हथा यस सांग नी पुराणा येद्रगाती नाचती उउपाचे उना देश सास्ता गती अपरेचा साना। परी उमारमण र् राव्का। ६६। पंत्र चोसकी बजाराबी ही। यन चौराबी धा मीरवती। पि स्वाद्ववाददी नराजी। विद्यासह भागके। हिल्मेन पावनरखा त्या सही पुसता के लास ना चेका । शर्नपडे



११ वट्डी १

सर्वधाहै॥ ध्वामे आरीमायावी श्वननि॥ ने आनेत ब्रसाउनिशसामीनी। तेशमनीनासाधनी। ईत राभीका राजीका यतथा हश्यईपा अव्या शीवस्य र्याशीराध्वीजापतीकरीत्यामप्याकरीसास्य ।। विसीरीनी या यी शामी। ७१ र जे इस्छापीत क्रमी से ज्वेदबोछिशान शिसीमा उपासनामा गंउनमा। आधन्य सामित साजिशसामने इसंगिगा यनग

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

न्यायकारका महगहना खिला ती ईश्वरसमर्थ जीवसाना। त्याचयनया बती ते।। । यानी मास कर्या पीती कर्म मागीसिस्यम् सी पुरुष्विभागा पातं। तकी साधी तीयागा। राह्वीभाग ज्यासक शती। । ज्यासक निरसी नि उरते उतमा बेरां ती लगती पर ब्र लाता ब्र ला ने द्रशीवपरमा वेद्रशास्त्रा सी आगम्म ने।। एधात्या शीयाचेनामयउनी। अगरंबाबाहेबारवनी। सन

जआभीमानराक्तानि। बहुमा बारणमीत्ते। १०५१स युवतत्वे यो धीतासा यार। स्व हा हाय साशारकार।। तेसारीमानका मी पुररारा। भावका की की छे आं बेने। एड़ा। नयनाहिशासकास्यश्यम् वाचानाविश्वासक्ता आसाएण।आपणीमनीबी-सारकशादाचसमे जाउनरी। तरीमजबरीयआवसरी। कीधायमान हो

वसी

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

तीलाण्यामगमीहीनी-नावेषधरणा।मयुरपीछाचे केलेबसना आण्यम्ब वधरना मुरहार भनी नी बा ठी छ।। जानत्रमञ भवां इमा ना। भी सबन सं रशेछं की हे जा। भीने समर तार मारी जा। यसगायन कराजनया। ८ ग असनेत चा कि मान त्या की राजीता भी मानी आ खनाय का तन्य पाता ता की नार गेथर्व आ श्रीयं सरी सा गायनशती है की निया। ८ श वेर भाववन



चरे विसर ती। आहाँ चे उनी सर छत-मब होती। निधा व 37] प्रवार ज छ छ है। । पश्री बा छ विसरती हेर भावा। ८ २। विध्यमालाप्यना विधीक्रवमग्रेतेवध्नाक्रिभीनी भारसाउना फजी वती वशे वड पारे। ८३। आजी बासुर छारी व्यञामारा रिनरो नी मित्र रान्य सरी वी नीमान्सीयाराबीनानामकाशिनी। हथासीतयवहारा द्रवसाउनी। वारेतार द जा लेरे हुत्र जी। हेव छ छ ना छ

1वट्डी =

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

णशिवाबाक्ष नि। ई ज्वस्त्र जावे आता। हपा आरी जन वियेआपारका घवा। नेनिती राज्य समको झवारिक्तरी रेखा की चवे भवा। इत ते जा सी जी वी वा। ८ ६। हैं पे की त यास्य क्र तार्ग। खडे ते शिरहो ती खरंग। तनु यास्ग धआमगानि भभद्रनी वरी माया ८ जापर मुद्दा नेथे उम रती। स्वासकमञ्जतथे उगवती। तथी न्यापरां गास वेथु १ व यसंती। प्रदश्नण करीती की की ने। व वा आ नंस

AN

ब्हा विध्युताते जा वा तिसंसपते जामय निर्मका निभ उप जोनेनाश्वनिक। पारातानानानेधवा। = श्रापार्षेत्र मने प्रस्णस्नती। यात सुद्धं यं रास्ता अगर्नती।। करी-वीकंक जसनकाशिती। नसगती सरसीचाडुणा भखुता या पाञ्चे से स जा नि। या म रा मु विधी सा मुरा श्नवाजी। मनक्रंगपाडी छाधरकी। सुरवराक्षणी नक्र के नि। ९१। री व्यस्पर् पविक्रिक्षा ता पुर्णा पंच बा छा वी

7)

धीलापंचवर्ना।तपथानवीसर्ना। खनातप्रीयताहरास लगगशतुकाशतकाणा कामान्य गातवीव वी जिप ना तु से स्वर्प दठा ब ज्या भी भुवना मा सी दुन ना री। हुआ तुसाबर्न रेडु विकास्त्रा। चकार जालमासनयना। तरी तुआतावरीम जन्छा यन। तुजआधीन मी जान्हे।। इछ। पावरीबाहे भी ही नी। उमे असी छ छ ना ग की नि। का बे सकासियारव जी।। देकास स्वन ते जो जिया।। ९५।। मी



1नकी =

511

तापरनारी जनभीता नकरिम नक डेस्रता तुवामन नाराज्ञांकी छयथार्था वरीतपश्ची केसात्। इध्यावरी वी छक्रपाञपाकी। मीर्गेवरी आछ। रसानि। नी चेमुख नपार्परताना।नामस्य निनचतीचे।१७।।याचरीभी छीनीकायबोछता पतीमासाराती र आसंता है भी प वन जा की लक्षणाता आ नुमाम मा स्वत्व ता। ९८ थाव रीबोठेजगन्मथातेबहुकांधींकठीनआसंत। दश्त्या

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

भिर्दा

मीउरी चाडीता। को धआर्तनावर तीता १९। एड रे रे ती पर्वताचे पोडा।माग्रतीती संवशमी धुर्ने डी।।पशते की टा क्रीनमारी।आतीक परीमी जा नेगा १० गुभी ही नीस ने देकीलकानी। तसपरी आहसी ती तत्र विश्वित रिशेर वी न्डीस्वर्धनी।भोजीभवानीअसंताशहर्भेक्षेप्रश्राणी। टाकु जिराउसी व्यर्धनि। परछछना देखी जिनवेति। गजायेबान पडापारासी मागु तीबा छे के तामनाथा।



351 9 A C

ह्यां

लक्षणानश्कीघडीमोडीकरीता जीस्वनासनके मी मानाता अभिनिधं महेस महील भी का ते म शिवधानाना उदंउ प्रार्थना के छ। प्रमा प्रा मीन जायतीयेन। परतो जिया के सासी। । श्रीसीमी नमरीसमाष्णा तुनरीमी जा ठी तु जभाधीन। जी की उनसील ती कर यह ना वय ना आधी न तुर्या मी। १।। या व शबा ते ते जो र शा भवा नी बेस की तुर्या पा शी

दोनवेबावरीताध्ने ही। ती बीगती बेतीत्वारीह।। तथमासावाउकायतुजा। केन्हायकुन जासील नम वमनाध्यतपण खचता सहना तु सत्वा चीता रवी देशाणा मगनबालिमरनर्रनाभीलीभाग्रीक्री गायन।। मगउठी जापंच इयनयन। तीस आ की गणधा वया।वाआंबाचाकी की सत्वरादि। चसरेबोके मरहा रामणम्यदावी तुस्यंदरा। भाकचेरमासी आता। हा।



रावनी ॰ लमजामाय घाटीय उना। मीन माय टासुन तुन आ धीनामगमदंबाबीले हासना। तरीमास्याभुवनी 911 उसीयावे॥भगमगतुमकी हो हैन कामीनी॥आवस्य सिठाख इ, पाजी। मर्नातक वेधनी। के तासासीने टगतेच्हा।११।सींच्यासनीने उनाहे भीने राष्ट्र रहे सउ नाहरधरानयाचे रणा। केरी माठ पात न्ही। १० यह भी आयुद्धसम्प्रमारबरी। तरस्तपात्नी प्रारी। म

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

गरासतीपरस्परी।यकामरेयमपाइनिया।।३।। शीवलगधम्मनानी। तुनानीमतआणी छसम जाउनी। स्तरों जिका ही कासी ये उनी। कथा वी मी नयक्ता गाष्धाकरा भी जा च्यो अ में स्तारी या जनकी आन्ता आनुसमाता। स्निन विश्वनाथा। तुसमतद्यी ते बङ्गाण्यापश्चानानाश्चाश्चा या या थीर गंभीरससी या की सी ने भरी छे ही गंउ छ।।



सावीन से व व दरमा वं ता १६। ते छा चात ते आ न छे मा आलेवर वेश सहस्राहिखाओ तन रानपंचीभा आतीता प्रती देत सा १०१ आवनी वशे ने आगम्पव स्ताभाजनासीमागताअक्रस्माता तेत्रयरने आजा विषुर्वति। श्रीन्मकथोरती। १० जेसनारदस्रोग वर्तमान। सा जामारा प्रती वं चवर्न। के श्री कमा तीतर्परण। यताआरगआअकस्मात्॥१९१आग

रायदा॰

गातउभागकताय उना। परमकाधी जेबी जमदा ज्याहरूबचन बोले क ही जा। सपरी सं यू ज के अव जि। २०। लिंग मनदेश जा मा जन।। नारी तरी जातो सल्वेउना श्रीयाळचा गुजायउना वायधरीती सद्भाव।।२१।आ ना ने वेसवी ठाआसिन।।साचेकी धवयनसास्निमा विनवीतीस्तास्य वदनी।। अर जो जी जिन अमेरा स्ती पुरा विश्वामा स्वामीई छाभोजन्।।



वसी यर स्व गरेश नरमा सआ खना सुना रहर आ जी सी ध र्नात्या यमासन यमी। २३। धर्म मासाउद्याभीक तआजी सी छम उस्पातश मी च ने। से मासस न सस्त्रीबाचा। या या गुणाबी है कर जो उना मी आयु छ मास हते करी भी जना श्रीया छ स्रोगा जिल पूर्ण । मासमास देता मी। २५ ये स स्न ज पनी मतत्वता। परीसर्वया चकासीमाता दीता। वहना

रावासी मध्रीता। आन छना खंउ न हो ई हिंगा २६। तमनायक्ततायक्षक्ता जापंचव वी की मलि द्राजावतीस सर्भणी बाय वे द्रायाती मन हेरी भाजना। २पाईसर्क ता की वचन।। मायामीरी जावदूरकरणामिणतीआवस्य जाईचेउनाम रासीयबयनबालतसा।२वामीकाय अगरे प्रमुख प्रशसामध्यस्य दुमान्यमा स्वाउन्म छ भ



निः राषापययान बाठी मज आता हशमायामा होधर्ना का रीकरा छ जरी तर्ना नरी मी जाईन उठाना सलघेवीन तुमचा ३०। आय स्पर्मणा नी पतीयता। उभीराकीनबारिन नस्ता लिनेबाका विद्याका उणवता विकावयासी ने सा सकी है।। तुमला भी खो छ छ आ तीता माउछ मा से पर् धावत। असे हें कता आक्रमाता बाळ आले बार

19/21

र जिया। ३२ भग ती ता सी सर नी नम ना। मा ता पी ता चेबंदिले चरणा मातास वातु जती राना। आतीत मामतारामसा। ३३। बाद्य बोदिश्वेर प्रस्णाशिरे हम्मा के ना श्री वा वेना राजा तीत हो ता तस पुणी। उमारमणसंतोषाष्ठभात्रेसे हेन ता विस्व करी।। बाब चेत न्जा करी वेवरी।। वायुक्ता के मितारावि उत्महानीय धावया॥ ३५॥ यि द्वा का सी युवन हे उनी।।



ीव्री । १॥ हद्रधरीले जीती कर्ना। वा छ ले जा पुरतीय ई नी।। तुक्षायाउर्रासी जननी ये॥ उद्गाम गमाया जा असर्व भी उना मनकेल बजा हु निक्री ण। बील्लाका चेसीर छेडु नामारीलेमासआंगीचे॥अजापणासीस्थनारील जी निया। सीरक मळहे बीले पाहावया। वाशिरा यापा क कर भिया। उर वी भो जना आतीता सी। ३५ तो आ ती दी यह राष्ट्री के करा आनंत ब्रह्मा डा चेसमा चारा स

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

र्वराउक्सम्यार।। शीरकम्बर्वीलेते। इश्रुग्रिन्या सीलाताका आधावती यां गुणा आणी श्रीया व। यत स्तिन कुछ सक्या सीरक मञ्चे की छेते।। १४ शास बंगा जात सरमधाना ते नी के से हे बी छे बं चुना तबते रो दो रीधरीतीचरण।।तेरीपचवीनचाठीते।जाता।।४१।१ती भनधराबाञंबरी। नेनतवण युक्त दोतरी। सर्व जा वि न्यायक्षमान्तरा। सत्य आमु चेरक्षाने॥ धर्मामगबेसका



व्कीव आसनीय उना। सिन जेशीर यह बाहर चे उना। उस बात पालानीकोड्न । करीकामजदेखता। ध्याआश्वा लेत्रतीयानयनी। की करी माठी सओतः कर्गी। तरीष्ठ महीगेलासलासीहानी। करणजाईनेतुम-मा। ४४। आवस्यस्नजीनीचपत्रस्नाभीश्याकाञ्चकरीका उना। सलपारकेन्डासराजा। आतशसङ्ग्रेशेनिया ४५। निजसताचे उसव असब का धरीले धे या चे मुसक। का

शतवेसलीवेल्हाळा निर्धार आवळधर निया। एए। ज नीतलिणपरममंगञामीनगाईरसी कसुडाञा वितीक शतापेक्रनथवल। दुरावल जाण पा। एज। तासङ्गावस राबर विकासीनी।को नकहर्यन पका मीनी।की नी अववगगा भरा जि। आती मर्याराधरा जिया। ४०।ती च पाराता निजन बर्ना। का अबे उता रो री की रमण। म गसाबाक्षीय गिनधाना उपमाना शिंध यिता ४९।मा



वदी॰ ने की मकांगा बाका संहरगा सुलक्षणा सुकी जा नपकी गो रा। सुहास्य बद नवारी जने जा। यबा जन उद राधन्य के ले। १०॥ ((c उसक्रमार परम उज बंगा। मा सा नि स्र धावला गेल वरी ऑता। तु ज्ञीनमी परंदेशी आता॥ इब्बननंग जाता ली। भणी क्र चक्र मं उती आ शिद्रा के सुकी बारे रक टन्मादु भधारा। भुक्तिंगासी यक्त सरा। ग छसाना विस्मासतीने॥५२।स्निज्ञातीतजेउनिधारी॥ 112311 CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

माउदेरा नसाद्दारा बाहिशा दित सामीन य आवस शा यावरीनधरीधीर करा पुत्र के ला संब ध ल उर्द ना स खया जा ता सी म ज टा ब ना हिस संगती ने मी पर्ना उभागार सवा अस्ति। ५४। तुमासद्दी नी ने के वा भर णानासी केला सराज पेटला गुना तुंस संगती समी उद्देन। मनराकानमाउनका। ५५। । इकारीममे सामीन। तेसीमीता र या तु जनीन। मासे हयमा हास

शुप

ग रिना लो भास बरन के बीरा आ ५ ए। त सी माउ ली मी स णता। जाजबारर गुणवंता। तुणा आषु छ साथकत व ता। कर्नगलासी सीवपदा। ५५ हमी सुवनकाधीता सम्बातमञ्जेसनरोबाक। मगतप्यनोजनताला जा।उटाक्नणेआतीतासी॥५०।आतीतकाणेआवनीप त्रा उरयनमानामासंबन्धा असे देनताश्रीयाञ न्यती। जात्यानिता संक्रोनीता पुराचा य जास्त्र वान्य

MSAN

पनाथा। सत्राखावसत्र आता। विन्यस्व जाउनधा व आसीता। मनी नीतान्य रावी। १६०। नवमासम्मावी शिका उद्राता तुसास अउनके चो प्रहरात। पो शिचापा रीचारीतास्ता भीताकाय नपभेका छ। हा राववेंसला पसीसी। बार गरानि आजी छे बे मे सी।। आ तीत स्वण चाँगु जासी। तिरीय ६ वेस सबे। ६ भागा स्पन्न जा जि सउद्गरी। ये उनिवेस ती चपसंदरी। आतीत संगत



र ही ? मचेमरीरी।।अगन्तनचाचितत्वता।६३।विषुभीकाचेन पारावेबर्ना साचेबरीकाणचेर्त्तुआन्ता हीपेबीछा जेसेसर्ना पुत्रवीणत्वीतुसी। ६४। की नासीनाचा की विवर्ना की व्यन्तेसा फल विज्ञा की बुबुदे बी जान यन। शुन्यसद्न तुमयते वी ६५। तबरोधेबो स ती स इशितायेकताताता आपीतास्ता योगणालागेनेते सत्या अतीति निम्यनाई तआता। ६६। यक्वानती CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

रीय दायोजना सी। आता का यमा हारा जास त्वपाहासी।। असेवालता-वांगु जासी।।आइत गरीवर दार दा। हु।। स्रवास्वरीब् ग्रहस्य या। वधानेहमास्वाय।।म गरंह माक नाक र निश्न राज। हा क का हो ना छ गा। हि।। नयनी चारीत्यायमकां व्याशासणे आहा सरी सी ना कर्षर जो रा। शर्ध श्वर वा हे उमा वरा। वा वे व रायंकाकी। ६९। आहा जाले वंष्यं उन)। नहेखा पुरती



ब्दी॰ जियबर्गा असरेकता आसीताचे नय न।। अबीताग्रहे विमभरो।१७०) बाहरफुट ठीमात। वर्तन्ती अ। कात। ती कडुः खबशस्य बब बीता। रामकी शार आ रबोनी।।७३।विमानीसरखेस्य स्वराधन्यपतीबता सम्धीग्रसमसंनाताबानिशंकग्रामायदेशतनक ताण्याभागातस्कानागुमिया जित्रीय आसे हा है मानसी। तेम जमागसड़ नरासी। बाज बरीसती का गायस्यो

31

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

यबाता।जाममञ्जूषीकस्मणतीनाका।ताध्वीनकादी यवंसा असे अस ना के ता स ना व सा व स ना व सा सी। धामसमानु जि आतीतवयना। ही पंतासकारी त्यांगुणा। स्वर्गिनी कुना गुणानिधाना। यह सहाका धार्वा अन्या ७५। आसी ततु ज्ञान न च च्या सा को देखें तत्रासर्वनावयास।।मास्ता रेकीतुपाउस। पर्मन रथावाजाण्ड्यनवसी जराधावी न। तरी जातारे मा



वरनी व सामाणा|दशरीशाआबन्ते कुणा|चाँगुणापारे तेथवा।एणा मा छ ती ता का जी ने व्या जा तो उग ने में में भ मं उखा। तेसाधावति आलाबाबा।पारेश्रीयावश्रेरे भरे।।। अग्नीतस्तर्पणाद्य हुन) शीयत्रगरद्यानी मरपस खजारिशहास्तवं चबदना ही नो द्वार जगत है। १७९१ भीताज भी वेहद्धिशता। नी न आं का वेश वेसवी त्या भीयाव या गुणा ते वे वा। पाया व शिताव ती। प्रा

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

खरखमनेवस्वता अगवारा इंड् भी-गंदे भरते आं बरा।आनंदमयमाछनगरा।धायती छोकपाराय या। भारी वे आ जा भी हो ही व्य वी मा न। अी या व या गुणा रा यह पराउना। विला जासी सी सासनी। वैस्रुना छ नत्नान शधरी वेते। = यसनी वास विदिनीराज्यभार। विमानी बेसवी छस वर्गानिन परीजगरोद्धारा। श्री रोकर स्था पीतया। (३)। फ्रांती



नगरी सोरव्यआ आधा। अर्वेत्रनसमाय ब्रह्मानेरा श्री धरसामीताप्रसाधाआमंगनबीरेकालमे। दशा त्रीय ही जो मत मं था। जा ही यत हे रा आध्या यप री यंताचीराभुगनाचेसारयथार्था चोहाआयान मिछिहा ८५। की चोराविधवे साराकी चोरागाडी पाआनत अकारा की मोदापदाने रतरा गयावज नधउतिरा| धाकी न्तुईशरताना प्रकाशा विथे

195713

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

विज्ञान्त्र यस र सा। की नो राये के जिने वा वा। नो राही। श्रीयकाकाता (पाक्रीको सकाउ वे रा।की वो सकात जीद्र या मार्था शीवमंशर नी मिलता = नामा विणपरने स्वना निजध्यास आनु मेरिना। परम श्रीतीनग्रंथरक्षणा। प्रजसमसमानसर्गती द्रा आधीवाधी साय भिर सोना। वंध्या ही वाचे पुनर श्रीतान। जामास गेलावर्तरीना। पीता बंधुनेरनपती व

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

१। रितुभ्यासशीबहानीनीमाउठी।।करीछनीजांगानी साउत्ताभागुराराग्यनेष्यर्मक्रियाभ्यथभव नित्रास्त्राया १ १ घरीसंपती राहेबर्ता हमने नतायसमस्ता राज्यस्यहायबहुन ह्शीणासुरेन वाचीता। १२। पाठी हायसी व भक्त सुता चात अगर्व र्तनेक शिता भकी युक्ता अपने च दिश आसे ल यथा। वीशा अस्तनश्वतेषो ९३। भीमासक्रशता जन्य

1631

यसआवर्तना सर्वं सह जाती नीरसी ना। भावे प्रशित्प रावायना नारीकारण जाभावीकाचे। एधालीमवारी ज्ययुनना आधवापदाषका की की वरामक १५ना। अची मेत राउनी करी अवणास मी मग हो निशीव सागा९पानेनपउनीलसं करातिनसं नी वाशनील व न्या यो या आध्या ये फल वश्या वे ग का ले ही ही ले आसे॥९६॥ मधनाध्या इमग ठा चरणाह्या वर्रा

a

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

याचे आखाना। कलावतीन पत्राउद्दशला प्रणीति विक थन निर्धाशा ९ ७। द्वीती वाध्या रिनेरा पणा। जीवरा नक्ष विवास सथना शिस शिवात जोतम सथा सा जो ना। कल्म रापार उध्यशिला ६० नोध्यातमा हा का व लीगा ने जी र्नना जो पबा ज गर जा उद्देशना पाच नात उने ने दुनपा कोना राजीस्थापीका शीव प्रसाद। ९९ साहावेआध्यारी आतीरसीका सिमंतीनी आख्यान युज्यकारका सातवा आरवा सुरस्का तुका भिदा यु रावा चे कथूनरा १००१ न गिर्देश

तथानवामरेवआश्यानस्रसाद्रियाजाजाताराश सा। जन्मर्ः श्वक्षी छ बहु वसा। आती सुरस आध्या यता।शहान्यात्रारदाजगरमान॥आदरान्यात स्त्राक्षधारणसंवुणी। मारानंदागेकी उध्यरोना। भद्सनराबतर काता। आबारा जातबहुका उध्या रा मिछाने मर्रिता भस्मोस्रातिरा वेजाध्याईसा या श्रामीवजारी नी नार पाया ने विचया नी श्री व अने जा विचया त्री श्री व अने जा व अने जा विचया त्री श्री व अने जा विचया त्री श्री व अने जा व अने

नारामिशमिन्दीनी जानि प्रसीद्वापुरेश्वीया अचि रीमआगाधा योदा बा आधा यसं पूर्ण हा । । । भी धरसामीब्रलानेदा आनंदसां प्रदाय प्रसीदा क्षीत् सागरामाभी दा आधी उपरेकी दमकी द्वा । प्रातिथा निआत्री मुची प्रसीद्वा उरे पुणंद ता नय आगायाता पासाबसरा नंदा रामा नंदय ती तेथना धातेथ जिआम कानदगभीरा। मगब्रुखानं रउदारा। सावरी क्रस्यान

90519

राताना शासर नानं र यती द्वे॥ आते भुनी पर मानं र यतीश्रद्धात्यापासाय पीता ब्रह्मा नंद्रापीताती ची उत्त वसी द्वा वस्तानं स्यती द्वा। तापं रशह नी-यारयोज नेर्रा।नेरत्यकोमीनास्यनगरी।।तथी छ छ स्वस निद्धि।। युर्वाश्वमी ब्रह्मा ने सार्। युरे पंर रीस युर्जा। तेथे के लेस-यास यह णातेथे चीस माधी स्त्राउन। अश्यवस्तिके की आसे।। भारों च्रसाने र माहारा

शाब त्त्र। १ जनिता। सावी भी नाम मासी माता। वंद नियाते उभय ता। शीच्दी जामत संप्री हि।।।। शासी के ६३ शुना जा सेयम् जा गा जी सा। प्रमारी गामसं वत्सरासा। ये म् का अधार सीसा मंग ज वा श जेथ संपर्गा १ यो बूल के मंउ छ। चे नी शाहार्ग मनी नामनगरी। आधेन मं थनियारी। तथिन जाला जाणी जे। १३। शीयती वं मंतर्भा चतुर्शाआध्यायपरीयंता जयज्ञ शेष

र अ माना था। तु ज मी त्यथे हो का स रा ११ था। आ पर्णा की वनाम विमेरि।। ब्रह्मानं र स्यामी में राध्या रा। श्रीध ग रहर्या जाभूमरा।। आश्तयआमं गाह्यानि धाष्ट्रा इतीशी सी वाली छो येत यथ प्रचंड गास्त्र इराण जिलातरस्व उगपरीसीतस जीन आर्व उगचत्रे साध्यायमाउतामिनीम २३६ म स्माद्याद्या पाइनो प्रश्त में द स्वाग ता हुनो की रवी ते मना। परी सुध्य CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

341092 वत्नीव मश्रदं गा। ममरो कान वीधता १। भग्न परी काठी जी। व । स्तब्ध हरीरधी मुखी मरेन की स्वीतं ग्रंथा यत्वेन वरीपाठवत्राय्यसमाती शोभननामसंबदसरासा चे ज कुछ पशासा प्रतीपदाक्षसोमवा रासा जथ निधारी संप्रवीखा। आतरीने स्वातीन श्रामा अतम सी द्वीयोगा सामुहत् आभी जी तासा यथ मार्थ मार्थ मार्थ जारा की। धासमत्। ६६९॥ रामाग्याधानाधानाची संस्याय कं इ ह समाशा रूप्या CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

is ell

र्देष्तकं नारायनस्या असिवयरणरमस्या राजर ख्तयतुर्धआम् राबस्पा दीतीय नंदने हारीना ने न त्रीरवीताशायसी इश्रीम रां जन गायम सीरी याहा की तासी। स्वसीनवाषुराउपनाम पराउद्गर भुमं भगतु॥ध्या द्व जोको की आभी जास जेथा चाला संश्रेत व्यवस्त्र चेपात करें 3 = 603 = 603 = 603 = 603 = 603 = 60

आधावियापिया।आधावी व प्या ।अगिषीवी। प्या はるがありるがりろうい गाजा गार्जेगो रजा। गिट्टम गिर्डिशा 11911 113811 53811341 11343/1231 119 62/119 11 11611 11201 1125311 5311 1211 119 03/1124/ 11311 यं कुन सु मारा गान्त्रहा। गान्या गान्या २१॥ 13 1175 1180 ला 11723111941 117711 IPUI 12031 751 19501 FUL

CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

कन केन रहता। याने के में प्राप्तिमनन नाम संबत्सरासा ने अव बें श्रह्मा से श्रिती वरा ती प्रवासरासा ग्रंथ निधिर संपवी जा। गातरी नेन स्पनास किलीयम् उत्म सीद्वीयामासा मुदुर्न आस्तमानांसा ग्रंथसमारीजा द्वारीशाशासमता ८ दशाशक १ प्राज्या था। अपद्या । प्राचीकिए प्र प्राच्या या हशे पुस्त के हरूवा।।ता हशे की ती ते मया।।यही अध्यं मशु थ्यं था। ममरोषा न वी धते।। भग प्रश्निक ही जी बा स्तब्ध द्विशिया मुखा करून की स्वीतं ग्रंथा यहनेन प्रश्वान स्वाया 当州岛部门西州野岛

)श्रवती? १दं उसने क्षीसाब चरण र न रों कर सुत आम राबस्य 33 दीतीयनंद ने हारी नानेन छी खीते। पुस्तदे ना रो आप मरास्म आभी अबरी छत्यास नात ब्रह्मत्वा चेपात के आरे अप पत्रे पत्रे वारी आ० प० थी।